न्यूरोलेप्टिक्स के प्रभाव:

• रात की बेचैनी: चलने के लिए जागना
• यातना का, आतंक का शिखर
• रात का मूत्र
• बहुत बार-बार पेशाब आना
• चलने में कठिनाई
• भारी वजन घटना
• गर्मी के प्रति प्रतिरोधक क्षमता में कमी, यातना, गर्मी के कारण जागना*ठंड के प्रति प्रतिरोधक क्षमता में कमी, थकान, दर्द और गुर्दे की समस्याएं संभवतः न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होती हैं
• आराम और कल्याण की किसी भी भावना का नुकसान
• भावना के रूप में कुछ भी महसूस न करना: याद रखने की क्षमता, कामेच्छा, भूख, प्यास, कल्पना, बुद्धि, ऊर्जा, जीवन शक्ति, प्रतिबिंब, संवेदना, प्रेरणा, इच्छा, इच्छा, खुशी, उदासी।
• विनाश, यातना, आतंक
• नींद काट दो
• नींद बाधित, खराब गुणवत्ता वाली और छोटी हो जाती है
• विनाश, यातना, आतंक
• बेचैन पैर सिंड्रोम: अधीरता
• बुरे सपने
• पीड़ा
• न्यूरोलेप्टिक्स के कारण एक अंधेरी दुनिया का अहसास
• मानसिक यातना, शारीरिक यातना, विनाश, आतंक
• भूख कम करो
• एनोरेक्सिया या बुलिमिया
• एनोरेक्सिया जब सब कुछ कट जाता है
• बुलिमिया जब हम सारी खुशी खो देते हैं, तो हम खाते हैं
• कामेच्छा में कटौती
• सभी हार्मोन काट दो
• मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना
• न्यूरोहार्मोनल प्रणाली की गड़बड़ी
• जीभ और जबड़े की विकृति (चेहरे की डिस्केनेसिया), यातना
• समय धीरे-धीरे और भारी रूप से गुजरता है, यातना
• आंखों का बहुत दर्दनाक फटना, होंठ फटना
• सभी भोजन बंद कर दें (नींद, बेचैन पैर, मानसिक यातना, समय की धीमी गति, बुरे सपने, पीड़ा)
• चलने-फिरने में धीमापन, यातना
• डोपामाइन, सेरोटोनिन, मेलाटोनिन, एड्रेनालाईन, यातना को काटें या अवरुद्ध करें
• न्यूरोहार्मोनल प्रणाली की गड़बड़ी

- वे गैर -मौजूद और अवास्तविक बीमारियों को "ठीक" करने का दावा करते हैं , लेकिन वास्तव में वे वास्तविक बीमारियों और शारीरिक और मानसिक विनाश और स्वास्थ्य की अप्राकृतिक , असामान्य , अस्वास्थ्यकर स्थिति का कारण बनते हैं।

- बीमारी की परिभाषा एक ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति कुछ दर्द महसूस करता है और अपने शरीर के संबंध में एक असामान्य स्थिति में होता है : न्यूरोलेप्टिक्स यही करता है।
  जिसे वे "बीमारी " कहते हैं , उसके विपरीत जो अस्तित्वहीन और अवास्तविक है और एक अभ्यस्त और स्वस्थ और सामान्य और प्राकृतिक स्थिति है जिसमें व्यक्ति खुद को पाता है।

  ये लोग जिन छोटी -छोटी समस्याओं या अवास्तविक समस्याओं को वास्तविक समस्याओं से ठीक करने का दिखावा करते हैं , वे वास्तविक , विशाल , भयानक और विनाशकारी समस्याएँ और यातनाएँ हैं।
  एनोरेक्सिया , भूख न लगने के कारण
  अवसाद या बड़ी पीड़ाओं और अंधेरी दुनिया के कारण होने वाली थोड़ी सी उदासी
  व्यक्ति के न्यूरो -हार्मोनल सिस्टम और दिमाग में पूर्ण और विनाशकारी व्यवधान के कारण मानसिक अस्थिरता
  विचार ??? आत्मघाती ??? अवास्तविक या अस्तित्वहीन " एक अंधेरी दुनिया और शारीरिक और मानसिक पीड़ा और यातना द्वारा ??? सवाल???
- प्रेरणा , इच्छा और ऊर्जा और एकीकरण की वास्तविक क्षमता के पूर्ण नुकसान के माध्यम से सामाजिक स्तर पर छोटी अवास्तविक समस्याएं
  बकवास, कुछ भी
- न्यूरोहार्मोनल प्रणाली के वास्तविक भौतिक और पूर्ण व्यवधान और उसके विनाश (जो भावनाओं का स्रोत और प्रेरक शक्ति है) के कारण गैर -मौजूद और अवास्तविक भावनात्मक स्तर पर छोटी समस्याएं
- “मस्तिष्क के विनाश के कारण होने वाली अवास्तविक और अस्तित्वहीन बीमारी
- "देखभाल " के माध्यम से यह दिखावा करना कि "बीमारी को नकारना " अवास्तविक , गैर -मौजूद बीमारी " का एक और लक्षण है जो विनाशकारी , यातनापूर्ण , सच्ची और वास्तविक बीमारी है
- छद्म वैज्ञानिक सिद्धांत जो हैं
- कुछ भी
- बकवास
- मानव व्यक्ति के विरुद्ध
- डॉक्टरों और लैब का झूठ

2

- RISPERDAL एक अति विनाशकारी अणु है
- ABILIFY एक सौम्य और अधिक मध्यम अणु है। झूठ। यह लगभग 95% विनाशकारी है और 50% दुष्प्रभाव नहीं।
- जब दवा काम नहीं करती है, तो उसे ABILIFY (या अन्य) जैसी दूसरी दवा में बदलें।
- झूठ, क्योंकि उनका प्रभाव एक जैसा है और वे सभी विनाशकारी हैं
- "दुष्प्रभाव" झूठ है, क्योंकि इसका प्राथमिक प्रभाव व्यक्ति और उनके न्यूरो-हार्मोनल सिस्टम को नष्ट करना है
- सबसे "माध्यमिक" प्रभाव अकाथिसिया = मोटर अधीरता = आराम के बिना पैर, प्राथमिक प्रभाव का हिस्सा है जो तंत्रिका तंत्र का विनाश है जो पैरों में अधीरता का कारण बनता है, चेहरे की डिस्केनेसिया, जीभ और जबड़े की विकृति के लिए भी यही है (हार्मोन के सूखने के कारण) फटने और के लिए समान
- - "रोगी" "बीमारी" झूठ से इनकार कर रहा है
  पहले से ही प्रदर्शित किया गया है क्योंकि "बीमारी" अवास्तविक और अस्तित्वहीन है, जबकि दूसरी ओर, न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होने वाली समस्याएं वास्तविक _, सच्ची _, विनाशकारी _, भयानक हैं। _
- "मानसिक बीमारी" या "मानसिक बीमारी" झूठ है। पहले से ही प्रदर्शित किया गया है क्योंकि व्यक्ति स्वस्थ, प्राकृतिक, रहने योग्य प्रारंभिक अवस्था में है, शारीरिक दर्द के बिना, या गैर-मौजूद और अवास्तविक समस्याओं या "छोटी समस्याओं" के बिना, विनाशकारी, दर्दनाक, पीड़ाग्रस्त, अंधेरे अवस्था, पागलपन, बुरे सपने में है। यातना
- "व्यक्ति खाना नहीं खाता" झूठ, पहले ही प्रदर्शित कर चुका है कि व्यक्ति को "छोटी या अस्तित्वहीन और अवास्तविक भूख की समस्या थी।

  तब व्यक्ति के पास है
  1) कोई आनंद नहीं इसलिए नॉन सेंस पीने या खाने में कोई आनंद
     नहीं
     कुछ भी
     विनाश
     ??? सवाल???
  2) व्यक्ति को न्यूरोलेप्टिक्स के साथ खाने में कठिनाई होती है, वास्तविक एनोरेक्सिया ???
  3) एनोरेक्सिया या बुलिमिया
     एनोरेक्सिया + बुलिमिया
     स्वस्थ प्रारंभिक अवस्था
     न्यूरोलेप्टिक्स इडेम के साथ अस्वास्थ्यकर चरम सीमा तक
     राज्य

3

4) शारीरिक और मानसिक यातना की स्थिति, अँधेरी और पीड़ाग्रस्त स्थिति जो स्पष्ट रूप से न तो भूख देती है और
न ही खाने की इच्छा
• न्यूरोलेप्टिक्स का प्राथमिक प्रभाव सभी भावनाओं, संवेदना, आनंद, इच्छा, प्रेरणा को काट देना है, जो पहले से ही भयानक यातना और विनाश है।
• और इसके लिए, न्यूरोलेप्टिक्स डोपामाइन, सेरोटोनिन जैसे सभी हार्मोनों को "अवरुद्ध" या काट देते हैं... इडेम
• तो, वे नींद के हार्मोन (या मेलाटोनिन) इडेम (यातना, विनाश) को कम कर देंगे जिसका प्रभाव नींद में कटौती करने और इसे बाधित करने और कम करने में होता है। भारी यातना. भयंकर।
• उसी विधि से, वे पैरों और शरीर के आराम को काट देते हैं। "दुष्प्रभाव" पहले प्रभाव से इसी प्रकार जुड़े हुए हैं
विशाल
• तंत्रिका तंत्र की विकृति, जिससे जबड़े की डिस्केनेसिया होती है
• यह "दुष्प्रभाव" सीधे प्राथमिक प्रभाव से जुड़ा हुआ है
• “हार्मोन को अवरुद्ध करना और काटना
• कामेच्छा में कमी
• इसी विधि से हम कह सकते हैं कि ये शरीर को सुखा देते हैं
• प्यास की अनुभूति का नष्ट होना। भयानक और विनाशकारी.
• इसी विधि से आंखों में बहुत दर्द होता है।
• इसी विधि से होंठ फटने लगते हैं
• वही "द्वितीयक" प्रभाव सीधे पहले के प्रभाव से जुड़ा हुआ है

ये न्यूरोलेप्टिक्स या "दवाएँ" आपको आराम करने में मदद करती हैं = LIE ने प्रदर्शित किया: 1) नींद की हानि
2) बेचैन पैर
3) आनंद की हानि
4) संवेदना की हानि
5) मानसिक प्रताड़ना
6) शारीरिक यातना

• "दुष्प्रभाव" = झूठ। ये प्राथमिक प्रभाव हैं
प्राथमिक प्रभाव सभी भावनाओं और संवेदनाओं को काट देना है, जो पहले से ही यातना और विनाश है 1)
यह प्रभाव एक और विनाशकारी प्रभाव का कारण बनता है जो एक और विनाशकारी प्रभाव का कारण बनता है इत्यादि। 2)
ये प्रभाव सीधे और पूरी तरह से पहले प्रभाव का हिस्सा हैं (भावनाओं और संवेदनाओं को काटना)3)
रैप: "दुष्प्रभाव" = गलत

• यदि बिल्कुल सरल नहीं है, तो ऐसा इसलिए है क्योंकि वांछित प्रभाव व्यक्ति पर विनाश, यातना, आतंक, आतंक है = वास्तविक प्राथमिक प्रभाव 4)
• साइड इफेक्ट्स के बारे में बात करने की जरूरत नहीं है 5)
• पहले से ही सभी भावनाओं और संवेदनाओं को काट देना विनाश, यातना, आतंक 6) 1+5=6 है
• "आराम" = झूठ. नकली

• "देखभाल व्यक्ति को सामान्य जीवन में लौटा देगी = झूठ।" नकली
• पहले से ही प्रदर्शित किया गया है क्योंकि न्यूरोलेप्टिक्स व्यक्ति को अपनी जीवन शक्ति, अपनी ऊर्जा, प्रतिबिंब और स्मृति की क्षमता, प्रेरणा, इच्छा खो देगा।
• व्यक्ति ठीक नहीं है (उपचार से पहले) = झूठ। नकली
1) व्यक्ति के पास सापेक्ष या अवास्तविक या गैर-मौजूद
"छोटी समस्याएं" थीं जो बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई थीं।
किसी सकारात्मक बात पर खुशी और किसी नकारात्मक बात
पर दुखी होना स्वाभाविक है, जो एक स्वस्थ और प्राकृतिक स्थिति है।
न्यूरोलेप्टिक्स का उद्देश्य व्यक्ति को "लोबोटोमाइज्ड" बनाना है, पूरी तरह से बेवकूफ, जो कुछ भी महसूस नहीं करता है, जो वास्तव में वास्तविक पूर्ण बुराई है वास्तविक बुराई + यातना + विनाश है। तो हम कह सकते हैं कि "मैं न्यूरोलेप्टिक्स से पहले अच्छा कर रहा था (या कम से कम इस बिंदु पर)।
2) व्यक्ति को अपने जीवन से संबंधित "कुछ समस्याएं" थीं जो बाहरी, सापेक्ष, वास्तविक (जैसे: व्यक्तिगत, कार्य, अध्ययन, आप्रवासन, आदि) हैं, जिसके लिए इन समस्याओं को हल करने की आवश्यकता महसूस करना पूरी तरह से सामान्य और स्वाभाविक है। ये सापेक्ष और "छोटी" बाहरी समस्याएं "ठीक नहीं चल रही 1) "या छोटी" 2 आंतरिक समस्याएं हैं। यह एक स्वस्थ, प्राकृतिक एवं सामान्य अवस्था है।
3) न्यूरोलेप्टिक्स के साथ, व्यक्ति न्यूरोलेप्टिक्स (यातना, पीड़ा, विनाश, संवेदना की हानि) के कारण होने वाली वास्तविक और वास्तविक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वास्तव में आंतरिक और बाह्य रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है।
4) 3) "डॉक्टरों" द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई समस्याएं सैद्धांतिक, अवास्तविक, सापेक्ष और अस्तित्वहीन और छोटी हैं।

5

नोट: सैद्धांतिक: मनोचिकित्सा की छद्म वैज्ञानिक विचारधारा में जो पूरी तरह से बकवास और बकवास है।
• डॉक्टरों द्वारा उनके न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होने वाली न्यूनतम समस्याएं वास्तविक, सच्ची, संपूर्ण, निरपेक्ष, "विशाल", "बड़ी", विनाशकारी, भयानक, शारीरिक, उत्सवपूर्ण, न्यूरो-हार्मोनल, वास्तविक "स्वास्थ्य समस्याएं" हैं
5) मैं न्यूरोलेप्टिक्स से पहले ठीक था
6) इसे और अधिक सरलता से और आसानी से कहें तो "न्यूरोलेप्टिक्स के साथ", यह बदतर है"

• "व्यक्ति के मन में अंधेरे या आत्मघाती विचार थे" (न्यूरोलेप्टिक्स से पहले) झूठ। नकली। बड़ा झूठ। असली
झूठ.
1) जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, "देखभाल " से पहले व्यक्ति को सापेक्ष, "छोटी", अवास्तविक या गैर-मौजूद "समस्याएं" थीं जिनके सामने सकारात्मक या नकारात्मक भावनाओं और संवेदनाओं का अनुभव होना सामान्य और स्वाभाविक और स्वस्थ है।
• लेकिन न्यूरोलेप्टिक से पहले, व्यक्ति पूरी तरह से बुराई, एक अंधेरी दुनिया, बुरे सपनों की दुनिया, एक हिंसक शून्य में होता है
• न्यूरोलेप्टिक का जबरन इंजेक्शन हत्या से भी बदतर है।
• यह बर्बरता, आतंक, आपराधिकता और अकारण हिंसा की पराकाष्ठा है।
2) डॉक्टरों द्वारा ("देखभाल" से पहले) अतिरंजित "विचार" इसलिए अवास्तविक, अस्तित्वहीन, झूठे, अतिरंजित, सापेक्ष, "छोटे" हैं।
• उदाहरण: व्यक्ति की स्वस्थ और प्राकृतिक स्थिति में, सकारात्मक या नकारात्मक भावनाओं या संवेदनाओं का अनुभव करना पूरी तरह से सामान्य, स्वाभाविक है और इसलिए बातचीत करने के लिए हमारे पास संवेदना से संबंधित विचार और विचार हो सकते हैं। अगर हम दुखी हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम आत्मघाती हैं। दुखी होना पूर्णतः स्वस्थ, स्वाभाविक और सामान्य है।
• उनके सिद्धांत और विचारधाराएं बिल्कुल बकवास और कुछ भी सच हैं।
आइए इसमें जोड़ते हैं, उनके छद्म वैज्ञानिक सिद्धांतों और विचारधाराओं की बकवास और "बीमारी" की बकवास, उदाहरण 1: हम कह सकते हैं "ओह, बकवास" इसका मतलब यह नहीं है कि हम मल पदार्थ चाहते हैं।
उदाहरण 2: बच्चे यह कहकर मजे ले सकते हैं कि "चले जाओ..." इसका मतलब यह नहीं है कि वह उससे ऐसी-ऐसी अपेक्षा रखता है।
विचार तो विचार हैं
विचार तो विचार हैं

शब्द तो शब्द हैं
इच्छाएँ तो इच्छाएँ हैं
विचार वास्तविक विचार हैं
क्रियाएँ तो क्रियाएँ हैं
विचारों के इरादे कार्यों के इरादे
वास्तविक विचार वास्तविक विचार

- ❖ जब न्यूरोलेप्टिक का प्रभाव भावनात्मक और सनसनीखेज शून्य , विनाश , यातना , बुरे सपने और न्यूरोलेप्टिक की अंधेरी दुनिया है। क्या हम स्पष्ट निष्कर्ष निकाल सकते हैं ?? सवाल? विस्मयादिबोधक !! डरावनी

2) गेस्टापो के योग्य प्रश्नावली का सामना करना /सीपीओए में लंबे इंतजार + अस्पताल में निराशाजनक माहौल के बाद), नर्स इस प्रसिद्ध प्रश्न पर ध्यान केंद्रित करेगी : "क्या आपके पास कोई विचार है ..."। ???

व्यक्ति उत्तर देगा "ए"

1) व्यक्ति ने जो कहा "ए" वह "हां " नहीं है और न ही "मेरे पास विचार हैं ...", उसने बिना यह जाने कि यह सेवा इस अमानवीय तरीके से प्रतिक्रिया करेगी , स्वस्थ और प्राकृतिक और सामान्य स्थिति के अनुसार टेल व्यक्त किया
2) सबसे पहले , "ए" "स**** विचार " नहीं है , वह रूप और अक्षर का है और उस व्यक्ति ने पहली बार ए 1 और दूसरी बार ए 2 में क्या कहा था

- ❖ फॉर्म और अक्षर में "ए 1" या "ए 23" 1 और 2 के "** विचार " नहीं हैं

2) जैसा कि पहले ही कहा गया है , इस प्रश्न पर प्रश्नावली , प्रतीक्षा , माहौल , नर्स की अथकता है जिसका कोई कारण नहीं है।

- ❖ व्यक्ति अपनी स्वाभाविक और सामान्य अवस्था में ऐसी स्थिति के साथ संपर्क करता है और ऐसी स्थिति का सामना करने पर वैसा व्यक्त कर सकता है।
- ❖ जैसा कि पहले ही कहा गया है , हवा में सरल विचार , हवा में सरल शब्द हैं , जो न तो गंभीर हैं और न ही वास्तविक हैं।
- ❖ व्यक्ति ने क्या महसूस किया या सोचा या व्यक्त किया या कहा ; ए का मतलब "** विचार " नहीं है
  पृष्ठभूमि में "ए" का मतलब "*** विचार " नहीं है
  3) "ए"; "ए 1" या "ए 2" का मतलब "** विचार " नहीं है , न तो सार में और न ही रूप में , न ही शाब्दिक रूप से और न ही अर्थ में।
  4) बकवास
  कुछ भी
  सिद्धांतों

7

लगभग नाज़ी विचारधारा
• व्यक्ति को "बीमारी और लक्षण" हैं = झूठ बोलता है
1) ये पूर्ण बकवास, पूर्ण बकवास के झूठे सिद्धांत हैं। कोई बीमारी नहीं है. उदाहरण: "उसने नीली जैकेट पहनी हुई है": बीमारी
2) "वह पतला है": बीमारी
3) "वह मोटा है": बीमारी
4) "वह शर्मीला है": बीमारी
5) "वह बहुत बोलता है": बीमारी
6) "वह लाल जैकेट पहनता है": बीमारी
7) "वह टोपी पहनता है" बीमारी
8) "उसके जूते के नीचे 50 सेंट का सिक्का है": बीमारी
9) " वहां कुछ भी नहीं है "। बीमारी
10) "वह एक सज्जन से मिला, उसे नमस्ते कहा, फिर केक खाया, फिर गेंद खेली" बीमारी... आदि।
11) सबसे महान कुछ भी. बकवास
यह दवा नहीं है!!!
और, इसके साथ ही, वे हर चीज़ को "लक्षणों", "बीमारियों" के साथ सिद्धांतों की तरह बनाते हैं और वे विनाशकारी, अंधेरे और यातना देने वाली "दवाएँ" देते हैं।
बकवास
कुछ भी
यह दवा नहीं है
3) उल्लिखित लक्षण विरोधाभासी हैं और उनका कोई मतलब नहीं है और वे कुछ भी हैं। उदाहरण: "भ्रमपूर्ण विचार", "भ्रमपूर्ण विचार", "संचार समस्याएं", "धीरे से सोचें", "धीमे करें", "आँखें नीचे करें"
4) 3) (स्वभाव से विरोधाभासी, कि लक्षण हैं: आंतरिक और बाहरी, शारीरिक और मानसिक व्यक्ति से जुड़े और प्रासंगिक)

(संक्षेप में, लक्षणों की विरोधाभासी प्रकृति उनके छद्म वैज्ञानिक सिद्धांतों की बकवास और बकवास का समर्थन करने के लिए एक छोटा सा कोष्ठक है)

"एस*** विचार" या "लक्षण = कुछ भी।" बकवास

"स*** विचार", अस्तित्वहीन, कोई नहीं है

"भ्रम" "लक्षण" "बीमारी" = बकवास, कुछ भी

- यह कहना बकवास है कि विचार "भ्रमपूर्ण" और "बीमारी के लक्षण" हैं
- भ्रम क्या हैं?

- किसी व्यक्ति के विचारों का मूल्यांकन करने का उन्हें क्या अधिकार है ?
- बकवास, कुछ भी
- "विशिष्टताएँ या अंतर " लक्षण , बीमारी " हैं = अपराध नैतिक जातिवाद बर्बरता डरावनी बकवास
- कुछ भी छद्म वैज्ञानिक सिद्धांत
- यह दवा नहीं है
- ये विशिष्टताएँ या "संचार समस्याएँ " अवास्तविक , अस्तित्वहीन , छोटी और सापेक्ष और बाहरी समस्याएँ हैं और दूसरों के संबंध में हैं जो व्यक्ति के लिए कोई समस्या नहीं हैं।
- उन्हें "लक्षण " या "बीमारी " कहना □□□□ अज्ञानता (अंधकारमय समय की मानसिकता), नैतिक अपराध और व्यक्ति के प्रति नस्लवाद और बर्बरता है।
- "व्यक्ति दूसरों की तरह नहीं दिखता है या "व्यक्ति सामाजिक रूप से अनुरूप नहीं है ": "बीमारी " = अपराध =नस्लवाद =बर्बरियस ।
- दूसरी ओर , न्यूरोलेप्टिक्स वास्तविक , शारीरिक , शारीरिक और यहां तक कि मानसिक समस्याओं का कारण बनता है।
- "संचार समस्याएं " व्यक्ति के लिए कोई समस्या नहीं पैदा करतीं
- ध्यान दें : न्यूरोलेप्टिक्स के कारण व्यक्ति बातचीत करने की क्षमता खो देता है , और यहां तक कि संवाद करने और अनुकूलन करने की उसकी वास्तविक क्षमता भी खो देता है।
- वे जिस "मंदी " की बात करते हैं वह अवास्तविक है , अस्तित्वहीन है या यह सिर्फ "व्यक्ति अन्य लोगों की तरह नहीं दिखता है और उनके आपराधिक और काल्पनिक , अज्ञानी और नस्लवादी और बर्बर दृष्टिकोण के अनुरूप नहीं है "।
- न्यूरोलेप्टिक्स से पहले व्यक्ति की सारी जीवन शक्ति , उसकी ऊर्जा , उसकी प्रेरणा , उसकी संवेदनाएँ मौजूद थीं
- न्यूरोलेप्टिक्स के बाद ही व्यक्ति धीरे -धीरे चलने लगा और वास्तव में उसकी चाल धीमी हो रही थी। वह व्यक्ति दर्द में था और उसे न्यूरलेप्टिक्स के साथ कुछ भी करने में कठिनाई और शारीरिक कष्ट हो रहा था। वह व्यक्ति न्यूरोलेप्टिक्स द्वारा स्तब्ध , लोबोटॉमाइज़्ड , लेग्यूमाइज़्ड था।
- "धीमा होना " (न्यूरोलेप्टिक्स से पहले) = झूठ। बर्बरता = मिथ्या

9

"संचार समस्या" बीमारी = नस्लवादी विचार
बर्बर विचार
अपराधों
झूठा झूठ

"विशिष्टताएँ", या "मतभेद" बीमारी = समान
जितना अधिक हम "दवा" बंद करेंगे, उतना ही बेहतर होगा
तो "व्यक्ति अच्छा नहीं कर रहा है" / न्यूरोलेप्टिक + गलत झूठ से पहले
"व्यक्ति को कोई बीमारी है"
वही व्यक्ति झूठा झूठ
यदि किसी व्यक्ति को न्यूरोलेप्टिक्स के बाद या उन्हें रोकने के बाद समस्याएं होती हैं, तो यह "बीमारी" के कारण होता है = गलत झूठ
संशयवाद, बकवास और मूर्खता की पराकाष्ठा: एक प्रशिक्षु "डॉक्टर" डॉ. मरियम ज़ारज़ोर ने कहा "यह उसकी बीमारी है" (रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम की बात करते हुए) जो न्यूरोलेप्टिक्स का अस्वास्थ्यकर प्रभाव सबसे स्पष्ट और स्पष्ट है। कोई तर्क, संशय, बकवास, कुछ भी नहीं न्यूरोलेप्टिक्स के बाद, हैं:
एक वास्तविक और लाभकारी सुधार जो सीधे तौर पर न्यूरोलेप्टिक्स की लाभकारी समाप्ति से जुड़ा हुआ है। न्यूरोलेप्टिक्स के कठोर, लगातार और हिंसक विनाशकारी प्रभाव और न्यूरोलेप्टिक्स द्वारा तंत्रिका तंत्र के विघटन के कारण कठिन और हिंसक वापसी के कारण रुकने की शुरुआत में कुछ अस्वास्थ्यकर प्रभाव।
न्यूरोलेप्टिक्स बंद करने के बाद भी प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है
कुछ क्षति और विनाशकारी प्रभाव जो बचे हुए हैं। स्थायी, अपरिवर्तनीय प्रभाव इन बर्बर अपराधियों द्वारा वांछित है जो नष्ट करना और यातना देना और पीड़ा पैदा करना चाहते हैं और इसलिए जो इसे निश्चित, स्थायी और अपरिवर्तनीय चाहते हैं। RISPERDAL के साथ या अधिकतम और नारकीय खुराक के साथ यातना, पीड़ा, मोड़, विनाश: अधिकतम अधीरता, रात्रि अधीरता, बहुत हिंसक शून्यता। 100%
ABILIFY और खुराक कम होने के साथ। यह कम हिंसक है लेकिन न्यूरोलेप्टिक्स का प्रभाव पूर्ण और समग्र रहता है: अधीरता, नींद, कमजोर और टूटा हुआ, खालीपन पूर्ण रहता है: अप्रैल 2019 के आसपास यातना 80%
रुकने के डेढ़ महीने बाद: व्यक्ति थोड़ा बेहतर महसूस करता है: अधीरता का अंत, कम यातना और पीड़ा, बेहतर नींद और बेहतर

कामेच्छा ("छोटी") ("कम" (लेकिन पूरी तरह से अवरुद्ध नहीं) यातना 50%
जितना अधिक हम न्यूरोलेप्टिक्स लेना बंद कर देंगे, उतना ही बेहतर होगा
रुकने के साढ़े तीन महीने बाद: संवेदनाओं की वापसी, बेहतर नींद और बेहतर कामेच्छा, अधिक "जीने योग्य", बहुत कम यातना और खालीपन और पीड़ा, अगस्त 2019 के अंत तक 25% पर बहुत बेहतर यातना। व्यक्ति बहुत अधिक होगा तब से बेहतर है, लेकिन सब कुछ कम हो गया है "(संवेदनाएं, कामेच्छा, नींद) एक खाली योनी के साथ निश्चित रूप से कम हिंसक और पीड़ा, यातना, पीड़ा, अंधेरी दुनिया, कम हिंसक।
न्यूरोलेप्टिक्स लेते समय, प्रभाव और भयानक अनुभूति इतनी हिंसक, कठोर और लगातार होती है कि हम पहले से ही स्थायी और अपरिवर्तनीय विनाश के बारे में सोचते हैं।
अपराधियों
अपरिवर्तनीय प्रभाव मौजूद है (अति सूक्ष्म अंतर)
भले ही यातना, पीड़ा, दुःस्वप्न की दुनिया बहुत कम हिंसक हो, मोटर अधीरता दूर हो जाती है, अधिकतम प्रभाव के साथ-साथ पूरा प्रभाव भी दूर हो जाता है)
वहाँ है:
- संवेदनाएं, नींद, आराम जो कम हो गए हैं
- 25% विनाश रहता है जो अपरिवर्तनीय है
- अभी भी कुछ यातना, यातना, अंधेरी दुनिया और दुःस्वप्न है 5%
- जितना अधिक हम न्यूरोलेप्टिक लेना बंद करेंगे, हमें उतना ही बेहतर साक्ष्य मिलेगा
मैं जो कुछ भी कहता हूं वह स्पष्ट है और स्पष्ट होना चाहिए। लेकिन ये अपराधी अपनी सनक, अपने झूठ और अपने झूठे सिद्धांतों और अपनी झूठी दवाओं को थोपने में सफल हो गए हैं।
ये अपराधी दुनिया में सबूत दिखाकर मुझे थका देते
हैं, जहां वे अपना भ्रष्टाचार और बर्बरता थोपने
में सफल हो गए हैं: (लोग मूर्ख और निंदक हैं)
1) कोई बीमारी नहीं है
2) 2) यह बकवास है. बकवास

छद्म वैज्ञानिक एवं मिथ्या सिद्धांत। यह दवा नहीं है. फॉर्मूला कई बार दोहराया गया.

स्पष्ट का अनुस्मारक 3) ये अपराधी जिन "समस्याओं" के बारे में बात करते हैं वे अवास्तविक, अस्तित्वहीन, सापेक्ष, "छोटी" हैं, व्यक्ति के लिए कोई समस्या नहीं हैं, इन अपराधियों द्वारा झूठी, बढ़ा- चढ़ाकर कही गई बातें, झूठ, बकवास, कुछ भी

3) न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होने वाली समस्याएँ वास्तविक, वास्तविक, व्यक्ति के लिए वास्तविक समस्या प्रस्तुत करने वाली, विशाल, भयानक, विनाशकारी, यातना देने वाली होती हैं
4) बहुत दोहराया गया फार्मूला एक स्पष्ट
5) 5) न्यूरोलेप्टिक्स यातना हैं: रात्रि अधीरता, नींद में कटौती करना और इसे कमजोर करना और इसमें बाधा डालना, भयानक और हिंसक भावनात्मक और सनसनीखेज शून्य, पीड़ा, मानसिक यातना, दुनिया दुःस्वप्न लगती है
6) न्यूरोलेप्टिक्स विनाश हैं: यातना, वही प्रभाव जो 5 में उद्धृत हैं), आनंद और इच्छा और संवेदना और भावना और प्रेरणा की हानि, अपरिवर्तनीय प्रभाव, अधिकारों से इनकार, सिस्टम में संशयवाद, व्यक्ति को "विशिष्टताओं" के लिए लक्षित करना जो हैं सुंदर और जिसे वे "बीमारी", विनाश और यातना मानते हैं जबकि हमने कुछ भी गलत नहीं किया है, चालाकी और झूठ और दुष्प्रचार और कपटपूर्ण तरीके इन अपराधियों द्वारा उपयोग किए जाते हैं (अस्पताल में मनोचिकित्सक डॉ चामी और यहां तक कि मुफ्त मनोचिकित्सक डॉ मारिया मार्टिनेज में भी) जितना अधिक हम न्यूरोलेप्टिक्स लेना बंद कर
देंगे, उतना ही बेहतर होगा
नोट: ABILIFY 5 mg अधीरता का कारण बनता है, जो
साबित करता है कि न्यूरोलेप्टिक की बहुत छोटी
खुराक भी गंभीर और विनाशकारी प्रभाव डालती है

ABILIFY नरम है और आंशिक रूप से ब्लॉक = झूठ है। नकली

न्यूरोलेप्टिक्स धीरे-धीरे बंद हो जाता है, शायद झूठ और मिथ्या और बिना कारण के।

यह अन्य उत्पादों से संबंधित है, जैसे: अवसाद रोधी

- न्यूरोलेप्टिक्स इतने विनाशकारी हैं कि इन्हें
जितनी जल्दी हो सके बंद किया जाना चाहिए
- हम उन्हें अचानक रोक सकते हैं 1) अनुभव के साथ 2)
किसी महान मनोचिकित्सक की सलाह से 3) यह ज्ञात है कि हम उन्हें अचानक रोक सकते हैं।

यदि प्रतिकूल प्रभाव या वापसी होती है, तो मुझे लगता है कि वे अपरिहार्य होंगे और यदि हम बाद में रुकते हैं, तो हम "क्रमिक" रोक के लिए और अधिक लेते हैं तो यह और भी बुरा होगा।

12

मैं अचानक रुकने की सलाह देता हूं

झूठ जो उन्हें पैसा कमाने की अनुमति देता है

"ए" का अर्थ है "एस*** विचार" = झूठा झूठ

"उदास" या "गरीब" दिखने का मतलब है "*** विचार" = गलत झूठ

"मत खाओ" का अर्थ है "*** विचार" = झूठा झूठ

जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, जिसे वे "वह नहीं खाता" कहते हैं या जिस व्यक्ति का "मैं नहीं खाता" से अभिप्राय है, वे वास्तव में सापेक्ष, छोटी, अवास्तविक, अस्तित्वहीन झूठी और अतिरंजित "समस्याएं" हैं।

- उस व्यक्ति ने कहा "बी"
- "बी" का मतलब न तो "स** विचार" है और न ही "एनोरेक्सिया"
- "बी" का अर्थ अपेक्षाकृत और नगण्य रूप से बहुत
आदर्श खाने की लय नहीं है
- उदाहरण: प्रति दिन 1 भोजन (लेकिन यह भोजन पौष्टिक है)
- उदाहरण 1: बहुत सारे बिस्कुट और केक खाओ
- Ex3: "छोटे" व्यंजन या असली" व्यंजन खाएं।
- दूसरी ओर, न्यूरोलेप्टिक्स ने वास्तविक एनोरेक्सिया, खाने की इच्छा और आनंद की हानि, भूख की हानि और इसके विनाश का कारण बना दिया है।
- और इसी तरह पीने की इच्छा और आनंद की, प्यास की अनुभूति की हानि
- जो बेहद खतरनाक और जानलेवा है
- * "उदासी" या "अवसाद", "यह "बीमार विचार**3 हैं
- झूठा झूठ पागल अतिशयोक्ति
- अतिशयोक्ति बर्बर
- भ्रष्ट अतिशयोक्ति
- मिथ्या अतिशयोक्ति

जैसा कि पहले ही कहा गया है, उदासी एक प्राकृतिक, स्वस्थ और सामान्य अवस्था का हिस्सा है (जो एक स्पष्ट तथ्य है जिसे ये सनकी भ्रष्ट अपराधी नकारते हैं)

दूसरी ओर, एनएल पूर्ण बुराई, पूर्ण अंधकार, विनाश, यातना है…।

शब्द "अवसाद" या "उदास" एक "नया और आविष्कृत और सैद्धांतिक और छद्म वैज्ञानिक और "नरम" शब्द है; अन्यथा, दूसरे मामले में, इसका अर्थ है सापेक्ष "समस्याएं", अवास्तविक, छोटी, अस्तित्वहीन, गंभीर नहीं, खतरनाक नहीं, "नरम" बर्बरतापूर्वक अतिरंजित और भ्रष्ट, "मनोवैज्ञानिक"

दूसरी ओर, एनएल पूर्ण और पूर्ण विनाश और पीड़ा और पीड़ा और बुराई है।

ध्यान दें: आइए इस पाखंडी विरोधाभास को देखें: वे "मदद" करने का दावा करते हैं और "अवसाद" को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं, लेकिन वे निंदक हैं और न्यूरोलेप्टिक्स के यातना और विनाशकारी प्रभाव को कम करते हैं।

"वे "मदद" कर रहे हैं = गलत। झूठ

"अधिक" (समस्या" सापेक्ष, अवास्तविक, विनाश से छोटी, यातना, वास्तविक और पूर्ण पीड़ा

"बीमार" "बीमारी" से "पीड़ित" होता है = गलत। झूठ

1) "बीमारी" जैसी कोई चीज़ नहीं है। ये भ्रष्ट और झूठे सिद्धांत हैं जिनका कोई मतलब नहीं है।
2) प्रारंभिक अवस्था में, "प्लस" सापेक्ष, अवास्तविक, अस्तित्वहीन और महत्वहीन और "छोटे" होते हैं
3) एनएल के साथ, शारीरिक, वास्तविक, स्वास्थ्य समस्याएं, विनाश, यातना, शारीरिक और मानसिक, अंधेरे और बुरे सपने हैं
4) पाखंडी विरोधाभास: वे "सबसे छोटे" को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं और यातना और विनाश को कम करते हैं
• "वे स्थिर करते हैं" झूठा झूठ
-वे न्यूरो-हार्मोनल सिस्टम और व्यक्ति को नष्ट और अस्थिर
कर देते हैं

* "पागलपन" मानसिक रूप से बीमार या पागल = झूठा झूठ

यह एनएल ही है जो आपको पागल और बीमार बनाता है और न्यूरो-हार्मोनल सिस्टम को नष्ट कर देता है

- एनएल शरीर और मस्तिष्क को नष्ट कर देता है और
व्यक्ति को ऐसी स्थिति में डाल देता है जो
अप्राकृतिक और दर्दनाक है, जो एक वास्तविक बीमारी
से मेल खाती है
- दूसरी ओर, एनएल के बिना व्यक्ति इस यातना, और इन पीड़ाओं और एनएल के कारण होने वाले अस्वास्थ्यकर प्रभावों के बिना स्वस्थ, रहने योग्य, प्राकृतिक अवस्था में है।

14

- "ऐसा" या "ऐसा" सहमति के बिना अस्पताल में भर्ती होने का कारण है" = अपराध
1) सबसे पहले, वे किस अधिकार से किसी व्यक्ति को उसकी सहमति के बिना जेल में डाल देते हैं?
उनको अधिकार नहीं!!
उन्हें हस्तक्षेप या सवाल नहीं करना चाहिए. यह अन्याय है, अपराध है, बर्बरता है।
सबका अधिकार है
2) सहमति के बिना अस्पताल में भर्ती होने का कारण "ऐसा और वैसा" है
यह बकवास है
बकवास
झूठ से
3) यह "ऐसा" और "ऐसा" पहले से ही गलत और झूठ है
4) सभी सिद्धांत और "बीमारी" झूठी हैं
5) निष्कर्ष:

वे खुद को किसी झूठी बात पर आधारित करते हैं (3) जिसे उन्होंने उस व्यक्ति के बारे में गलत समझा है,
और अपने झूठे छद्म-वैज्ञानिक, झूठे सिद्धांतों पर
आधारित हैं जिनका कोई मतलब नहीं है 4) और वे NO-
SENSE और Anything 2 का लिंक डालते हैं) और पहले से
ही क्या सही है क्या वे स्वयं को इसकी अनुमति देते
हैं:

a) सहमति के बिना व्यक्ति को नजरबंद करना और अस्पताल में भर्ती करना
b) उसे जबरदस्ती "दवा" देना
c) ये नशीले पदार्थ ज़हर हैं, यातना हैं, विनाश हैं, भयावहता हैं, अपराध हैं।

किसी को भी दूसरों के साथ ऐसा करने का अधिकार नहीं है।

ये अपराधी उन विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करते हैं जिनकी कानून उन्हें "न्याय" या राज्य द्वारा कुछ भी किए बिना अनुमति देता है।

राज्य और "न्याय" की मिलीभगत।

बर्बाद मनोचिकित्सकों का झूठ, निंदक और भ्रष्ट दृष्टिकोण:

- यदि हम इन भ्रष्ट लोगों के ऐसे आपराधिक प्रभाव के
बारे में बात करें, तो वे एक कार्ड के रूप में
उपयोग करेंगे: "लेकिन वह अच्छा नहीं कर रहा था
("देखभाल" से पहले की बात करें और NL = FALSE, LIE

1) पहले से ही, उन्हें ऐसा करने का क्या अधिकार है? क) सहमति के बिना अस्पताल में भर्ती होना

- बी) एनएल लेने के लिए मजबूर करें
- सी) एनएल अत्याचार करते हैं और भयभीत करते हैं और
आतंकित करते हैं और नष्ट कर देते हैं

2)कनेक्शन क्या है? लिंक क्या है?

कुछ भी
बकवास
कुटिलता
3) "व्यक्ति ठीक नहीं था"
झूठ, झूठ
a) जैसा कि पहले ही कहा गया है, व्यक्ति प्राकृतिक, स्वस्थ, स्वस्थ अवस्था में था, एनएल की तुलना में महत्वहीन, अवास्तविक और अस्तित्वहीन था
b) एनएल के साथ, व्यक्ति एनएल प्रभाव की यातना, विनाश, अशांति, बुरे सपने और अंधेरे वातावरण में है
c) इसे सरल बनाने के लिए

C1 "मैं एनएल से पहले अच्छा कर रहा था"

सी2 " शायद मुझे "छोटी" समस्याएँ थीं या मैं "थोड़ी सी" ठीक नहीं थी। लेकिन एनएल के साथ, मैं वास्तव में ठीक नहीं हूं और बहुत ज्यादा ठीक नहीं हूं। यह एनएल से पहले की तुलना में अतुलनीय है

सरल के लिए सी 3: एनएल के साथ यह बदतर है

अतुलनीय ढंग से;

एनएल = यातना, विनाश, दुःस्वप्न का माहौल और पीड़ा और पीड़ा।

C4 "शायद मुझे "छोटी" समस्याएं थीं, लेकिन ये वो नहीं हैं जिनके बारे में "डॉक्टर" बात करते हैं जो मेरी कहानी के बारे में कुछ नहीं समझते हैं और जो मेरे जीवन के बारे में नहीं जानते हैं

सी5) ये "डॉक्टर" एक गैर-रचनात्मक और विनाशकारी अतार्किक अतार्किकता में हैं: "यह ठीक नहीं है, मैं बदतर के लिए नष्ट कर रहा हूं और बदल रहा हूं" यह भूले बिना:

नोट 1: उन्होंने बिना सहमति के, बलपूर्वक ऐसा किया और इसे व्यक्ति पर थोप दिया

नोट 2 "यह ठीक नहीं है" असत्य। झूठ। कुछ भी। बकवास

पहले ही प्रदर्शित और समझाया जा चुका है

-उन्हें समझ नहीं आया (सी)

- विनाश c1, c2, c3 से संबंधित समस्याएं)

झूठ बोलने और निंदनीय तर्क -वितर्क में "डॉक्टरों " के दो प्रमुख निंदनीय अतार्किक दृष्टिकोण

दृष्टिकोण 1: जिसका उल्लेख पैराग्राफ की शुरुआत में पहले ही किया जा चुका है। यदि हम उनके नुकसान के बारे में बात करें , तो वे "वह पहले अच्छा नहीं कर रहा था " कार्ड का उपयोग करते हैं।

दृष्टिकोण 2: "अतार्किक , तर्कहीन , विघटनकारी और विनाशकारी दृष्टिकोण। "यह ठीक नहीं है , मैं इसे नष्ट कर रहा हूं और बदतर के लिए बदल रहा हूं। "

सबसे पहले , "वह पहले से अच्छा नहीं कर रहा है " क्या है ???

1) वे पहले से ही मुझ पर अपना अस्पताल में भर्ती होना , अपनी "देखभाल ", अपनी "दवाएँ ", अपने झूठ और अपनी झूठी और छद्म वैज्ञानिक विचारधारा के बारे में अपना संशय , "बीमारी " के बारे में अपना झूठ और अपना संशय , अपने झूठ और मेरे बारे में अपना संशय मुझ पर थोप रहे हैं। संबंधित व्यक्ति
2) रिपोर्ट क्या है , कुछ भी। बकवास
3) नहीं , मैं ठीक हूं और मुझे उनकी "देखभाल " और उनके ज़हर यातना विनाश की आवश्यकता नहीं है जिसे वे दवा कहते हैं
4) शुरुआत में , ये सापेक्ष "समस्याएं " थीं , अवास्तविक , अस्तित्वहीन , छोटी , मैं स्वस्थ , प्राकृतिक अवस्था में था
5) एनएल के साथ , यह पूरी तरह से बुराई , यातना , विनाश , एक अंधेरा और दुःस्वप्न जैसा माहौल है। यह वह जगह है जहां मैं वास्तव में अच्छा नहीं कर रहा हूं।
6) उन्हें समझ नहीं आया कि "मैं ठीक नहीं हूँ " का क्या मतलब है। उन्हें मेरी कहानी के बारे में कुछ भी समझ नहीं आया और वे मेरी जिंदगी के बारे में नहीं जानते .
7) और सभी स्तरों पर , मनोवैज्ञानिक , मानसिक , भूख , संचार , जीवन शक्ति , कोई बकवास विचार नहीं , कोई "बीमारी " नहीं
8) उनके सिद्धांत झूठे , झूठ बोलने वाले , छद्म वैज्ञानिक , बकवास, कुछ भी , अपराध हैं

17

• मुझे वह जानकारी दोहरानी पड़ी जो मेरे लिए स्पष्ट है और जिसे प्रदर्शित करने, साबित करने और यहां तक कि कई बार दोहराने के लिए मुझे उतना प्रयास नहीं करना पड़ता है।
• यह इतना अधिक है कि उनके सिद्धांतों का संशय, झूठ, अतार्किकता, मानव व्यक्ति पर उनके बलात्कार की हिंसा, उनके छद्म वैज्ञानिक सिद्धांत जो खुद को थोपते हैं, उनके झूठ बोलने वाले निंदक तर्क जो जीतते हैं और खुद को थोपते हैं, उनके नकार के अधिकार और मानव व्यक्ति, उनका बर्बर नस्लवाद, उनका बर्बर झूठ, उनका बर्बर बलात्कार इतना कठोर, निरंतर, हिंसक, दृढ़ है और अपनी छवि में भ्रष्ट और अपनी छवि में अज्ञानी, अपनी छवि में सनकी और झूठ बोलने वाली दुनिया में खुद को थोपता है राज्य और एक व्यवस्था तथा "न्याय" उनके अपराध में भागीदार हैं।
• उनके अनुसार, जिस व्यक्ति को "बीमारी" होती है, उसे "दवा" की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। लेकिन हमने देखा कि उन्होंने "बीमार" के रूप में वर्गीकृत अन्य लोगों की तुलना में "बीमार" को इस जहर "दवा" के प्रति अधिक खराब प्रतिक्रिया दी। इस तथ्य के बावजूद कि यह व्यक्ति युवा और स्वस्थ है, और यहां तक कि उसके शरीर में एनएल जहर के खिलाफ पुनर्प्राप्ति और पुनर्जनन की बेहतर क्षमता है।
इसलिए यह व्यक्ति दूसरों की तुलना में बदतर जीवन जीता है और दूसरों की तुलना में बदतर अनुकूलन करता है।
हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि एनएल उनके अनुकूल नहीं है। इसलिए इस व्यक्ति को एनएल की आवश्यकता नहीं है। ध्यान दें: हम उपचार बदलते हैं = LIE। नकली। धोखा
क्योंकि इन सभी का प्रभाव एक जैसा होता है। और यहां तक कि ABILIFY को "आंशिक अवरोधक" या अधिक "नरम" माना जाता है, यह पहले से ही बहुत विनाशकारी है और व्यक्ति BILIFY और यहां तक कि RISPERDAL के लिए भी अनुकूल नहीं है। व्यक्ति बुरी तरह प्रतिक्रिया करता है
सुधारक = झूठ, मिथ्या, धोखाधड़ी। यह "बदलते" व्यवहार जैसा है, यह इन अपराधियों की निंदक और भ्रष्ट अभिव्यक्ति जैसा है
ये सुधारक अन्य "अवांछनीय" या "दुष्प्रभाव" अस्वास्थ्यकर प्रभाव पैदा करेंगे।
वे अन्य प्रूफ़रीडर इत्यादि को बुलाएँगे। भ्रष्ट उद्योग जो अपने अस्वास्थ्यकर जहर के माध्यम से पैसा कमाता है। सुधारकों की कोई प्रभावशीलता नहीं होती, उदाहरण के लिए मल की
सबसे पहले, किस अधिकार से? हमें पहले

जहर भी नहीं लेना चाहिए और फिर
"सुधारक" के बारे में बात नहीं करनी चाहिए
एनएल उसे शोभा नहीं देता। उसे एनएल की जरूरत नहीं है.

18

यह व्यक्ति "बीमार" नहीं है
निदान ग़लत है.
वैसे भी, उनके सिद्धांत पहले से ही झूठे हैं। बकवास, और यह कि कोई "बीमारी" नहीं है और एनएल किसी भी व्यक्ति के लिए यातना और विनाश है।
एनएल न तो "शामक", न "नींद की गोलियाँ", न "अवसादरोधी" और न ही "दवाएँ" हैं।
लोग, अज्ञानतावश + इन अपराधियों के झूठ के कारण, इन "दवाओं" को शामक कहते हैं। यह गलत है। वे व्यक्ति को परेशान करते हैं, नष्ट करते हैं और पीड़ित करते हैं और व्यक्ति को उदास और भयानक और बुरे सपने वाले माहौल में ले जाते हैं।
यह जहर नींद आने से रोकता है।
वे "शामक" नहीं हैं, वे न्यूरो-हार्मोनल प्रणाली को बाधित और नष्ट कर देते हैं।
ये "शामक" नहीं हैं, ये बस यातना, आतंक, विनाश हैं।
एनएल के प्रभाव का वर्णन करने के लिए "यातना", "डरावना", "दुःस्वप्न", विनाश शब्द बहुत, बहुत, बहुत कमजोर हैं "अपराधी" भ्रष्ट, "बर्बर" शब्द इन भ्रष्ट आपराधिक बर्बर लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कमजोर हैं।
यह सभी यातनाओं, विनाश, हत्या, आतंक, दुःस्वप्न, बर्बरता, अपराध, नस्लवाद, भ्रष्टाचार से परे है।
जब आप इसकी तुलना यातना से करते हैं, तो एनएल बहुत बदतर है
1) यातना थोड़ी देर तक चलती है, जबकि एनएल थोड़ी देर तक चलती है
2) इससे भी बदतर, एनएल स्थायी और अपरिवर्तनीय हैं।
3) एनएल मनुष्य के संपूर्ण चयापचय को बिगाड़ देता है और बाधित कर देता है, जो यातना नहीं देती।
4) एनएल एक भयानक और निराशाजनक और बुरे सपने वाला माहौल पेश करता है, जो यातना नहीं देता है
इस तथ्य के संबंध में भी यही बात है कि एनएल सभी विनाशों से परे है, यह विनाश पर नहीं रुकता है बल्कि इतनी दूर तक चला जाता है कि व्यक्ति को नृशंस तरीके से पीड़ित किया जाता है और नृशंस तरीके से यातना दी जाती है और वह एक वास्तविक दुःस्वप्न में जी रहा है। और यह उससे भी आगे है और एनएल जो करता है उसकी तुलना में यह छोटे शब्द हैं।

व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती होने के लिए सहमति देने या न देने का विवेक नहीं है = गलत। झूठ। बकवास। कुछ भी

1) व्यक्ति यह निर्णय लेने के लिए सचेत है कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाए या नहीं।
कोई "बीमारी" नहीं है; यह गलत है; ये झूठे छद्म वैज्ञानिक सिद्धांत हैं जिनकी न तो पूंछ है और न ही सिर
2) बिना सहमति के अस्पताल में भर्ती होना मानवाधिकारों का पूर्णतः खंडन है।
किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरे को जबरन नजरबंद कर दे या उन्हें दवाएं लेने के लिए मजबूर कर दे या उन्हें विनाशकारी न्यूरोलेप्टिक्स दे दे जो यातना, डरावनी और दुःस्वप्न हैं।
3) यह अस्पताल में भर्ती होना व्यक्ति के हितों के विरुद्ध है; एनएल विनाशकारी, यातनापूर्ण और भयावह हैं; यह सहमति के बिना मनोचिकित्सा और अस्पताल में भर्ती होने की सभी वैधता को नष्ट कर देता है।
यह पहले से ही व्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी इच्छा के विरुद्ध किया जाता है।
4) एनएल के साथ व्यक्ति सारी इच्छाशक्ति, कार्य करने, सोचने, निर्णय लेने और अपने जीवन की स्वतंत्रता और प्रबंधन करने की क्षमता खो देता है।
यह एनएल के साथ है कि व्यक्ति "मानसिक रूप से बेहोश"
है

दूसरी ओर, एनएल के बिना व्यक्ति स्वस्थ, प्राकृतिक और
सामान्य स्थिति में है।

5) माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध "कानून के विरुद्ध"

"व्यक्ति स्वयं या दूसरों के लिए खतरनाक है" = झूठ, झूठ, बकवास, कुछ भी।

1) यह गलत है, एनएल के बिना व्यक्ति स्वस्थ, प्राकृतिक और सामान्य स्थिति में है। जातक हानिरहित, अंतर्मुखी, दयालु, शर्मीला, अपने स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहने वाला भी होता
है। इसे खतरनाक कहना बिल्कुल बकवास है.
2) यह एनएल के साथ है कि न्यूरो-हार्मोनल प्रणाली बाधित और बाधित हो जाती है और व्यक्ति अस्थिर हो जाता है।
3) इसके अलावा, एनएल व्यक्ति को नष्ट कर देता है, यातना देता है और भयभीत कर देता है
4) पहले से ही, हर किसी को निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार है। किसी को भी जबरन नजरबंद करने, जबरन दवाइयां, हानिकारक और विनाशकारी पदार्थ देने और "यह व्यक्ति खतरनाक है" के बहाने यातना देने का अधिकार नहीं है।

ध्यान दें: मनोचिकित्सा में अधिकांश लोग "खतरनाक" होने से बहुत दूर हैं और यह भी कोई कारण नहीं है
"वे कुछ नहीं करते हैं और जब वे सहमति के बिना अस्पताल में भर्ती होने का निर्णय लेते हैं, तो वे घंटी बजाते हैं" = गलत

1) यह मनमाने ढंग से किया गया है. यह एक प्रशिक्षु लीना चामी है जो यह निर्णय लेती है भले ही वह केवल कुछ मिनटों के लिए ही बोली हो। फिर, दूसरी सेवा भी उसी निर्णय का पालन करेगी जिस पर मेरे साथ केवल कुछ मिनटों के लिए चर्चा हुई है। क्या स्वतंत्रता के न्यायाधीश किसी चीज़ की जाँच नहीं कर रहे हैं, वह केवल "चिकित्सा" निर्णय का पालन कर रहे हैं
2) कोई "बीमारी" नहीं है, वे छद्म वैज्ञानिक सिद्धांत हैं जिनका कोई मतलब नहीं है और बकवास है।
3) "बीमारी" जैसी कोई चीज़ नहीं है। और यह, महान मनोचिकित्सकों की विशेषज्ञता के अनुसार, जिन्होंने देखभाल और जिम्मेदार तरीके से व्यक्ति का उचित निदान करने में समय लगाया।
4) व्यक्ति पर दवाओं के नुकसान का कोई "बीमारी" तर्क नहीं है
5) बीमारी की परिभाषा के अनुसार कोई "बीमारी" तर्क नहीं है = अप्राकृतिक स्थिति जिसमें व्यक्ति है और जो दर्दनाक है और/या जो व्यक्ति के शरीर में एक विसंगति या शिथिलता है जो एनएल के प्रभाव से मेल खाती है
एनएल के बिना, हम स्वस्थ अवस्था में हैं, अच्छे स्वास्थ्य में हैं, अच्छे आकार में हैं, बिना किसी बीमारी के हैं इसलिए कोई "बीमारी" नहीं है
6) कोई "बीमारी" नहीं है. यह एनएल है जिसके कारण व्यक्ति कार्य करने, सोचने, निर्णय लेने, चेतना और इच्छाशक्ति खोने की क्षमता खो देता है...
"बीमारी को नकारना ही इसका लक्षण है" = गलत, एमएसजी, हिंसा, बर्बरता, बकवास 2) 3) 4) 5) पिछले अध्याय से

"स्वतंत्रता के न्यायाधीश" = झूठ, बकवास, औपचारिकता स्वतंत्रता का यह न्यायाधीश 90% मामलों में "चिकित्सा" निर्णय का पालन करता है
आरक्यू: ऐसा लगता है कि अस्पताल ने जानबूझकर मेरी मां के घर पर समन पत्र देर से पहुंचाया
निष्कर्ष:
1) एनएल प्रभावों की सूची अंतहीन और यहां तक कि अविभाज्य है
2) इन सनकी अपराधियों के इतने सारे झूठ और झूठे तर्कों को तोड़ने की कोशिश करना नैतिक और मानसिक रूप से थका देने वाला था। उनके पास बहुत सारी घृणित चालें हैं

3) जिन समस्याओं को "डॉक्टर" "ठीक" करने का दावा करते हैं (एनएल के नीचे से जब कोई नहीं था) वे एनएल के कारण पैदा हुई थीं। उदाहरण के लिए: एनएल से पहले, मैंने वास्तव में कमोबेश अच्छा खाया।
एनएल के साथ, मुझे खाना खाना वाकई मुश्किल हो गया है
एनएल से पहले, मैं कमोबेश ठीक हूं
एनएल के साथ, मैं वास्तव में अच्छा नहीं कर रहा हूँ
और ये अतुलनीय ढंग से; हम पूर्ण विनाश, यातना, आतंक और यातना की तुलना में "अधिक सापेक्ष", छोटे, अवास्तविक, अस्तित्वहीन की तुलना नहीं करते हैं।
4) इसे सरल बनाने के लिए:
• एनएल से पहले मैं खा रहा था और मैं ठीक था
• यह एनएल के साथ है कि मैं खाना नहीं खा रहा था और मैं अच्छा नहीं कर रहा हूं
"एक लक्षण के रूप में एकाग्रता विकार" = गलत
1) मैं स्वस्थ अवस्था में था और मुझमें ध्यान केंद्रित करने की पूरी क्षमता थी
2) दूसरी ओर, एनएल के साथ, मैंने ध्यान केंद्रित करने की सारी क्षमता खो दी
3) ये सिर्फ हवा में बातें थीं, लेकिन मुझमें ध्यान केंद्रित करने और पढ़ाई करने की क्षमता नहीं थी.
4) यह सापेक्ष, महत्वहीन, अवास्तविक, "छोटा" था जबकि एनएल के साथ यह पूर्ण विनाश था...
5) "कानून लोगों की रक्षा करता है" = गलत
6) "स्वतंत्रता के न्यायाधीश" झूठ, औपचारिकता
पैराग्राफ पी 44, 45 में उद्धृत समान तर्क, मनमाने ढंग से, उनके सिद्धांतों की मिथ्याता, स्वतंत्रता के न्यायाधीश की औपचारिकता
7) ये अपराधी कानून और "न्याय" द्वारा संरक्षित महसूस करते हैं और सोचते हैं कि उनके पास अच्छे वकील हैं। और पीड़ितों को "न्याय" पर भरोसा नहीं है और उन्हें लगता है कि यह अस्वीकार्य है और इन अपराधियों/अस्पताल+"डॉक्टरों"+प्रयोगशालाओं को सुरक्षा प्राप्त है

22

अस्पतालों और न्यूरोलेप्टिक्स की बकवास और अपराध:

1) किसी व्यक्ति को बंद करना और उनकी स्वतंत्रता से वंचित करना, भले ही उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया हो
2) उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध और उसकी इच्छा के विरुद्ध बंद कर दो
3) उसे चुनने की आज़ादी दिए बिना और उसकी इच्छा के विरुद्ध उस पर कुछ थोपना
4) उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध और उसकी इच्छा के विरुद्ध "दवा" लेने के लिए मजबूर करना
5) ये दवाएं हानिकारक न्यूरोलेप्टिक्स हैं
6) ये न्यूरोलेप्टिक्स विनाश, यातना, डरावनी, दुःस्वप्न, अस्वस्थ, हिंसक हैं
7) अपनी अल्पकालिक क्षति के अलावा, न्यूरोलेप्टिक्स मध्यम अवधि की क्षति का कारण बनते हैं
8) न्यूरोलेप्टिक्स दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाते हैं।

यह सब उस व्यक्ति के लिए जिसने कुछ भी गलत नहीं किया है।' यह अनुचित और नाजायज है

यदि कोई व्यक्ति कुछ करता भी है, तो इतना भयानक, अमानवीय, बर्बर, अनुपातहीन, अन्यायपूर्ण और यहां तक कि अतुलनीय, चरम, भयानक, किसी भी मानक से परे कुछ करने का कोई कारण नहीं है।

एक औसत दर्जे के, अक्षम और उदासीन और दुर्भावनापूर्ण व्यक्ति द्वारा बिना कारण, बिना मकसद, नाजायज, अन्यायपूर्ण, मनमाने फैसले

23

पर किसी व्यक्ति को कैद करना और यह सब कुछ सेकंड में नहीं तो कुछ ही मिनटों में हो जाता है।

किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध छद्म वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुसार कैद करना , जो अवास्तविक हैं और यहां तक कि छद्म वैज्ञानिक और अवास्तविक से भी परे हैं और जिनका कोई मतलब नहीं है और जो बिना पूंछ या सिर के बकवास हैं।

किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध कैद करना , तथाकथित "मनोवैज्ञानिक " समस्या की तुलना उस व्यक्ति के लिए वास्तविक खतरे से करना

यह तथाकथित "मनोवैज्ञानिक " समस्या व्यक्ति के लिए कोई वास्तविक खतरा नहीं है और इससे दूर-दूर तक इसका कोई लेना-देना नहीं है और यह कुछ भी है। बकवास।

अपने आप को व्यक्ति पर थोपें और उनके जीवन और उनके स्वयं के मामलों और समस्याओं में हस्तक्षेप करें और इस प्रकार उनकी इच्छा के विरुद्ध उन पर चीजें थोपें (ध्यान दें : यह अकेले ही व्यक्ति के लिए एक वास्तविक खतरा है)

किसी व्यक्ति की "मदद" करने या "इलाज" करने या कुछ भी करने का सबसे अतार्किक और संवेदनहीन तरीके से दावा करना , और इस तथ्य के आधार पर कि कोई चीज व्यक्ति के लिए वास्तविक खतरा है जबकि वास्तव में , यह खतरा कुछ भी नहीं है , और इस प्रकार उस पर चीजें थोप देते हैं उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध .

व्यक्ति पर थोपी गई चीज़ों का उसकी समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है (चाहे वे वास्तविक हों और व्यक्ति द्वारा अनुभव की गई वास्तविक समस्या हो या अपराधियों द्वारा दावा की गई समस्या हो)। किसी को उसकी इच्छा के विरुद्ध बंद करने का उसकी भलाई से क्या लेना-देना है ? न्यूरोलेप्टिक्स और किसी की भलाई के बीच क्या संबंध है ?

वास्तव में , किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध बंद करना या उसकी इच्छा के विरुद्ध उस पर कुछ थोपना केवल असुविधा का एक स्रोत हो सकता है क्योंकि उल्लंघन के रूप में अनुभव किया जाता है : यह स्पष्ट है। तो जब यह उल्लंघन व्यक्ति के शरीर , मस्तिष्क और न्यूरो-हार्मोनल सिस्टम के स्तर पर हो तो हम क्या कह सकते हैं ? यह किसी भी उल्लंघन से परे है !

न्यूरोलेप्टिक्स डोपामाइन अवरोधक हैं। न्यूरोलेप्टिक्स का मुख्य प्रभाव डोपामाइन , खुशी , कल्याण , प्रेरणा , उत्तेजना , आनंद, शक्ति के हार्मोन को अवरुद्ध करना है ... वहां , हम एक संवेदनहीन , निंदक विरोधाभास में हैं , जिसका न तो कोई सिर है और न ही कोई

24

आपराधिक और बर्बर इन अपराधियों की ओर से . बकवास। कुछ भी। अपराध .बर्बरियस

न्यूरोलेप्टिक्स में सभी आनंद , संवेदना , भावना , ग्रहणशीलता , चेतना , बुद्धि , शक्ति को काटने का प्रभाव होता है

न्यूरोलेप्टिक्स नींद में कटौती करते हैं , इसे बाधित करते हैं , इसे कम करते हैं , इसे कम करते हैं।

न्यूरोलेप्टिक्स अधीरता या अकथिसिया या बेचैन पैर सिंड्रोम की घटना का कारण बनता है।

न्यूरोलेप्टिक्स माप से परे बाहरी और भयानक शारीरिक असुविधा और मानसिक परेशानी का कारण बनते हैं।

न्यूरोलेप्टिक्स एक भयानक दुःस्वप्न शून्यता का कारण बनता है , अत्यधिक विनाशकारी , अतुलनीय , सभी माप और तुलना और विवरण से परे।

न्यूरोलेप्टिक्स व्यक्ति को प्रताड़ित करते हैं

न्यूरोलेप्टिक्स व्यक्ति को नष्ट कर देते हैं

न्यूरोलेप्टिक्स सभी तुलनाओं , मापों से परे नुकसान और पीड़ा पहुंचाते हैं और जो अत्यधिक , भयानक, विनाशकारी यातना हैं

न्यूरोलेप्टिक्स शारीरिक , जैविक और शारीरिक स्तर पर नुकसान पहुंचाते हैं

न्यूरोलेप्टिक्स आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं।

एक विरोधाभास है : वे मानते हैं कि व्यक्ति को कोई "समस्या " है या "वह अच्छा नहीं कर रहा है "।

अस्पताल द्वारा पहुँचाया गया नुकसान वास्तविक , सच्चा , अत्यधिक , भयानक, विनाश , यातना , सभी तुलनाओं और /या माप से परे है।

दूसरी ओर , "समस्या " या "व्यक्ति अच्छा नहीं कर रहा है जिसके आधार पर उनका अपमानजनक अस्पताल में भर्ती होना अस्तित्व में नहीं है , अवास्तविक है , सत्य नहीं है , अन्यथा सापेक्ष , न्यूनतम , "छोटा ", रहने योग्य और समायोज्य है। संक्षेप में , यह समस्या सभी मामलों में अस्तित्वहीन है।

बकवास का विरोधाभास . कुछ भी अत्यधिक संशय /और उससे भी आगे। अपराध .उल्लंघन . झूठ .बर्बरियस

उन्होंने जो किया वह यह था . कोई व्यक्ति जो ठीक है और उसके पास कुछ भी नहीं है , उन्होंने कहा "वह ठीक नहीं है " और उसके आधार पर उसे नष्ट कर दिया और उसे यातना दी और उसे वास्तव में और वास्तव में ठीक नहीं और एक अतुलनीय , भयानक, चरम, विनाशकारी , यातनापूर्ण तरीके से बना दिया।

25

बकवास। कुछ भी अत्यधिक संशय/और उससे भी आगे। अपराध.उल्लंघन. LIE.BARBARIE, फार्मास्युटिकल प्रयोगशालाओं की सेवा करने वाला एक दृष्टिकोण जो न्यूरोलेप्टिक्स बेचते हैं और उन्हें थोपते हैं।

वही, "व्यक्ति खाना नहीं खा रहा है" के संबंध में

न्यूरोलेप्टिक्स खाने की इच्छा, भूख को दबा देते हैं, और खाने को कठिन और रोजमर्रा का काम बना देते हैं

यही बात "व्यक्ति को नींद नहीं आ रही है" के लिए भी लागू होती है, न्यूरोलेप्टिक्स नींद को काट देते हैं, नष्ट कर देते हैं...

यही बात "बीमारी" के लिए भी लागू होती है

यही बात "आत्मघाती विचारों" के लिए भी लागू होती है। उसके मन में कोई आत्मघाती विचार नहीं है. न्यूरोलेप्टिक्स आत्मघाती विचार का कारण बनता है। यह स्पष्ट है जब न्यूरोलेप्टिक्स डोपामाइन को काटते हैं, यातना देते हैं, नष्ट करते हैं, एक भयानक, दुःस्वप्न शून्य में प्रवेश करते हैं।

व्यक्ति पर यह नस्लवादी और आपराधिक विचार थोपना कि उन्हें "बीमारी" है और यह उनके पागल और बिना सिर वाले सिद्धांतों के अनुसार है

ये अपने आप में एक अपराध है

व्यक्ति पर यह तथ्य थोपना कि उनकी और उनके व्यक्तित्व की विशिष्टताएं और विशेषताएं "लक्षण" और/या "बीमारी" हैं। बर्बरता. जातिवाद। विनाश।

इस नैतिक हिंसा को व्यक्ति पर थोपें: बीमारी को नकारना बीमारी का एक और लक्षण है

किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध कैद करना बुरा है + उसकी इच्छा के विरुद्ध उस पर कुछ थोपना बुरा है + उन पर अपने पागल, आपराधिक और हिंसक सिद्धांतों को थोपना बुरा है + उनके द्वारा थोपे गए न्यूरोलेप्टिक्स हानिकारक और विनाशकारी हैं

इन अपराधियों द्वारा खुद को आधार बनाने के लिए जिन समस्याओं का उल्लेख या दावा किया गया है, और उनके पागलपन भरे सिद्धांत अस्तित्वहीन, अवास्तविक, सापेक्ष, न्यूनतम, छोटे, परिवर्तनशील और समायोज्य हैं, जबकि अस्पताल और न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होने वाली समस्याएं अत्यधिक, वास्तविक हैं, सापेक्ष नहीं। कुल, निरपेक्ष, भय, यातना, विनाश और रासायनिक, हार्मोनल, शारीरिक, मस्तिष्क, तंत्रिका।

अपराधियों द्वारा उल्लिखित कुछ "समस्याएँ" या समस्याएँ जिन्हें वे "लक्षण" या "बीमारी" कहते हैं, सामाजिक और/या सामाजिक प्रकृति

की होती हैं , जैसे संचार में समस्या या सामाजिक , सामाजिक या संचार की कठिनाइयों से जुड़ी विशिष्टताएँ , यह अपराध है

यदि "समस्याएँ " सामाजिक , सामाजिक प्रकृति की हैं , तो चिकित्सकीय और वस्तुनिष्ठ रूप से वे "समस्याएँ " नहीं हैं और उससे भी कम "बीमारी " नहीं हैं , यह स्पष्ट है क्योंकि सामाजिक और सामाजिक कुछ व्यक्तिपरक है और वास्तव में यह कोई समस्या नहीं है। चिकित्सकीय और वस्तुनिष्ठ रूप से यह "समस्या " नहीं है , और व्यक्ति के लिए यह कोई "समस्या " नहीं है

व्यक्ति को नजरबंद कर दिया जाता है , उन्हें बलपूर्वक न्यूरोलेप्टिक्स दी जाती है + व्यक्ति ने कुछ नहीं किया है + यह मनमाने तरीके से किया जाता है , + यह पागल सिद्धांतों के अनुसार किया जाता है + ये सिद्धांत कहते हैं कि व्यक्ति को "बीमारी " है + के "लक्षणों " में से जिस "बीमारी " का उल्लेख किया गया है , उनमें से एक बड़ा हिस्सा सामाजिक और सामाजिक के संबंध में व्यक्ति की विशिष्टताओं से जुड़ा हुआ है + इन न्यूरोलेप्टिक्स द्वारा व्यक्ति में इन विशिष्टताओं को नष्ट और नकार दिया जाता है और इस प्रकार उन्हें नष्ट कर दिया जाता है और उसे एक के रूप में लक्षित किया जाता है। व्यक्ति और मनुष्य . न्यूरोलेप्टिक्स डोपामाइन को अवरुद्ध करता है और इस प्रकार सभी संवेदनाओं , भावनाओं , विचारों , विचार , व्यक्तित्व , स्वयं की विशेषताओं , मानसिक और शारीरिक कल्याण को काट देता है। इसके अलावा , न्यूरोलेप्टिक्स यातना देते हैं और बेचैनी और अनिद्रा जैसे भयानक प्रभाव पैदा करते हैं। बर्बरता . अमानवीय .क्रूरता . अपराध।

यदि व्यक्ति को वस्तुनिष्ठ सापेक्ष प्रकृति की या अन्यथा कुछ समस्याएं थीं , तो अपराधियों ने उस व्यक्ति की मदद करने के लिए कुछ नहीं किया + व्यक्ति के पास कुछ भी नहीं था + व्यक्ति को न्यूरोलेप्टिक्स की आवश्यकता नहीं है + न्यूरोलेप्टिक्स विनाशकारी हैं + अपराधियों ने कुछ ऐसा थोप दिया जिसका इससे कोई लेना -देना नहीं है व्यक्ति और उनकी वास्तविकता + उन्होंने व्यक्ति को नुकसान पहुंचाया + यह नुकसान से परे है , यह विनाश और यातना और आतंक है + उन्होंने न्यूरोलेप्टिक्स का उपयोग किया + न्यूरोलेप्टिक्स का व्यक्ति और उनकी वास्तविकता से कोई लेना -देना नहीं है। ये हानिकारक हैं और व्यक्ति को नष्ट कर चुके हैं।

इस तथ्य के बीच विरोधाभास है कि वे "बीमारी " और "बीमारी " के बारे में "देखभाल " की बात करते हैं , इस तथ्य के साथ कि वे व्यक्ति की "मदद" करने के लिए बकवास और गैर -तर्कपूर्ण तरीके से दावा करते हैं।

ध्यान दें : वे व्यक्ति की मदद नहीं करते बल्कि उन्हें नष्ट कर देते हैं + जिस "बीमारी " की वे बात करते हैं उसका कोई मतलब नहीं है और यह बकवास है और इसका कोई तर्कसंगत आधार नहीं है , अस्तित्व में नहीं है

27

और/या इन विशिष्टताओं से संबंधित है और/या जो सामाजिक, सामाजिक है उससे जुड़ा हुआ है और इसलिए व्यक्तिपरक.

महत्वपूर्ण: मौजूद सभी चीजों के बीच, उन्होंने जानबूझकर न्यूरोलेप्टिक्स थोपे, अन्य चीजें नहीं, जबकि न्यूरोलेप्टिक्स डोपामाइन को रोकते हैं, यातना देते हैं, नष्ट करते हैं, आतंकित करते हैं, CRIMLE.BARBARIE को नुकसान पहुंचाने का इरादा रखते हैं। कुटिलता.उपद्रव.

न्यूरोलेप्टिक्स व्यक्ति को अस्वस्थ, विनाशकारी और भयानक चक्र में प्रवेश कराता है। यह चक्र भ्रष्ट है और फार्मास्युटिकल प्रयोगशालाएँ इससे लाभ कमाती हैं। प्रयोगशालाएं अपराधियों से मिली हुई हैं और अपराधी भी उनके सहयोगी हैं

उल्लिखित "लक्षणों" का कोई अर्थ नहीं है, जैसे "बीमारी" का कोई अर्थ या तर्कसंगत आधार नहीं है।

उल्लिखित तत्वों का कोई अर्थ नहीं है और कोई तर्कसंगत आधार नहीं है; उनके बीच वास्तविक और तर्कसंगत संबंध के बिना, उन्होंने जो लगाया है उससे कोई लेना-देना नहीं है, और यहां तक कि एक अलग प्रकृति के भी हैं जो चीज़ को अभी भी अर्थहीन बनाता है (जो पहले से ही अर्थहीन से अधिक है) और आधारहीन है (जो पहले से ही निराधार है) उदाहरण के लिए: यदि व्यक्ति अपेक्षाकृत अच्छा नहीं कर रहा है और/या अपेक्षाकृत अच्छा नहीं खा रहा है, तो यह न तो "बीमारी" के कारण है और न ही "प्रलाप" के कारण (जिसका स्पष्ट रूप से कोई मतलब नहीं है), बल्कि यह बहुत ही उद्देश्यपूर्ण कारणों से है। उदाहरण 2: संचार की समस्या, व्यक्ति से जुड़ी विशिष्टताएँ, वह सब कुछ जो प्रकृति का है या सामाजिक और व्यक्तिपरक सामाजिक से जुड़ा हुआ है, कोई समस्या नहीं है (यह न तो वास्तव में कोई समस्या है, न ही व्यक्ति के लिए/तथ्य) विशिष्टताओं और/या जो सामाजिक, सामाजिक और इसलिए व्यक्तिपरक से जुड़ा हुआ है, उसे "बीमारी" के रूप में मानना एक अपराध, बर्बरता, क्रूरता है)। उदाहरण 3: कुछ दोहराए गए विचारों को "भ्रमपूर्ण" मानना और इस प्रकार उन्हें "लक्षण" और/या "बीमारी" मानना

व्यक्ति पर, उनके शरीर पर, उनके मस्तिष्क पर कार्य करें

व्यक्ति पर स्वयं कार्रवाई करें और यही वह व्यक्ति है जो आपराधिक कार्यों और बकवास सिद्धांतों और जो भी हो, का पात्र बन जाता है। यह बकवास है, बकवास है, बकवास है। बर्बरता.

व्यक्ति पर ऐसे कार्य करें जैसे कि वह फर्नीचर का एक टुकड़ा, गिनी पिग, उनके काम की वस्तु हो और इस प्रकार व्यक्ति अपने अधिकार खो देता है, और चीजें उनकी इच्छा के विरुद्ध, उनके हितों के विरुद्ध, उनकी संपत्ति के विरुद्ध और उनके विरुद्ध थोप दी जाती हैं। स्वास्थ्य।

व्यक्ति पर स्वयं , उनके शरीर , उनके मस्तिष्क पर कार्य करें और उनके शरीर , उनके मस्तिष्क , उनके विचारों , उनकी भावनाओं , उनके विचारों को संशोधित करें

शरीर , मस्तिष्क , विचारों , भावनाओं , विचारों को संशोधित करने के अलावा ; न्यूरोलेप्टिक्स उन्हें कम करते हैं , उन्हें कम करते हैं , उन्हें काटते हैं , उन्हें बाधित करते हैं , उन्हें बाधित करते हैं और उन्हें अवरुद्ध करते हैं। अपराध। बर्बरता . क्रूरता .

रसायन शास्त्र , जो न्यूरोलेप्टिक्स हैं , के माध्यम से किसी व्यक्ति के मस्तिष्क और उसके शरीर को संशोधित करके मस्तिष्क , भावनाओं , विचारों , विचारों को संशोधित करना एक अपराध , बर्बरता , क्रूरता का गठन करता है।

इसके अलावा , वे नष्ट करते हैं , रुकावट डालते हैं , व्यवधान डालते हैं और यातना देते हैं। अपराध , बर्बरता , क्रूरता

वे अधिक संशोधन करते हैं , अधिक कम करते हैं , अधिक बाधित करते हैं , अधिक नष्ट करते हैं , अधिक अत्याचार करते हैं। अपराध , बर्बरता , क्रूरता

वे बिना किसी अर्थ , आधार या तर्क के , पागलपन और मजबूर तरीके से , "भ्रमपूर्ण विचारों ", "बीमारी " की धारणा और "लक्षण " की धारणा को थोपते हैं जिनका कोई अर्थ नहीं है और जो बकवास हैं। और इस प्रकार , नाजायज बल द्वारा , उसी व्यक्ति के विचारों और मस्तिष्क को संशोधित करते हैं। उल्लंघन .क्रूरता . बर्बरता , क्रूरता

यह "डॉक्टर " हैं जो निर्णय लेते हैं कि हम कब बाहर जाएंगे। जेल से भी बदतर .

वे हमें बिना किसी कारण के , बिना किसी मकसद के , बिना हमारे कुछ गलत किए , अंदर ले आते हैं। जेल से भी बदतर

वे हमें "दवा " लेने के लिए मजबूर करते हैं। जेल से भी बदतर

हम जितना अधिक समय तक रहेंगे , उतना ही अधिक वे हमें न्यूरोलेप्टिक्स लेने के लिए मजबूर करेंगे। जितनी देर से हम बाहर जाते हैं , उतना ही वे हमें न्यूरोलेप्टिक्स लेने के लिए मजबूर करते हैं। अपराध

"स्वतंत्रता के न्यायाधीश " से संबंधित झूठ जो केवल एक औपचारिकता है और केवल आपराधिक "डॉक्टरों " के निर्णय को मान्य करता है।

न्यूरोलेप्टिक्स और /या उनके प्रभावों के बारे में सभी झूठ और /या वे उन्हें अपराध , बर्बरता , क्रूरता क्यों देते हैं। कुटिलता

महत्वपूर्ण : इन अपराधियों के सिद्धांत तर्कहीन से अधिक और छद्म वैज्ञानिक से अधिक हैं। यह परे है . अपराध।

29

यही बात "बीमारी" के बारे में झूठ पर भी लागू होती है

"व्यक्ति नजरबंदी के समय अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है" के बारे में झूठ जब यह गलत होता है तो व्यक्ति अच्छा कर रहा होता है और यह न्यूरोलेप्टिक्स के साथ होता है कि वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है।

न्यूरोलेप्टिक्स के विनाशकारी प्रभावों के संबंध में झूठ और संशयवाद और अत्यंत निंदक न्यूनीकरण। अपराध

अपराधियों ने खुद को क्रूर बल से नहीं थोपा, उन्होंने खुद को अन्य, गोल-मटोल, अपमानजनक और हिंसक तरीकों से थोपा (उदाहरण के लिए, झूठ, दुष्प्रचार, विश्वास का दुरुपयोग, हेरफेर, सत्तावादी तरीके, अनुचित तरीके, अपने आप को थोपने का तथ्य पागल और निराधार और भी बहुत कुछ) तर्कहीन सिद्धांतों की तुलना में, कमजोर लोगों पर दुर्व्यवहार, अनिश्चित लोगों पर, न्यूरोलेप्टिक्स, निंदक, उत्पीड़न) के प्रभाव में लोगों पर उदाहरण: सीएमपी, दिन का अस्पताल, निजी तौर पर कुछ मनोचिकित्सक।

यदि इन अपराधियों को बताया जाता है कि इन न्यूरोलेप्टिक्स के हानिकारक प्रभाव होते हैं और हम उन्हें अच्छी तरह बर्दाश्त नहीं करते हैं, या यदि उदाहरण के लिए थोड़ा सा भी इनकार या प्रतिरोध होता है, तो वे अधिक हिंसा करेंगे और इससे भी बदतर करेंगे, वे खुराक बढ़ा देंगे और/या करेंगे रोगी को अधिक समय तक अस्पताल में रखें (यह जानते हुए कि अस्पताल और न्यूरोलेप्टिक्स पहले से ही हानिकारक हैं)।

वे न्यूरोलेप्टिक्स देते हैं जो संभवतः सबसे गैर-जिम्मेदार और अव्यवस्थित, औसत दर्जे और अक्षम और गंदे तरीके से हानिकारक और खतरनाक उत्पाद हैं। वे उन्हें ऐसे लिखते हैं मानो वे बांटने के लिए मिठाइयाँ हों, या मानो वे आलू बेच रहे हों, या मानो हम किसी कैफ़े में हों जहाँ हमें कुछ खाना हो। इसलिए, जब रोगी के स्वास्थ्य की बात आती है, तो उत्पाद जितने अधिक हानिकारक और खतरनाक होते हैं, वे उतने ही अधिक ऐसे होते हैं जो आवश्यक नहीं होते हैं और रोगी को अब उनकी आवश्यकता नहीं होती है। सिद्धांत रूप में, दवा केवल तभी दी जाती है जब अत्यंत आवश्यक हो।

मनोवैज्ञानिक पक्ष पर, रोगी से अपेक्षा की जाती है कि वह वही चुने और चाहे जो उसकी भलाई के लिए सबसे अच्छा हो।

वी मनोचिकित्सा , अस्पतालों और न्यूरोलेप्टिक्स के बारे में सच्चाई :

कुछ लोग बुराई और अन्याय, बर्बरता, अपराध, क्रूरता और आतंक करते हैं; फिर वे खुद को "कानून इसकी अनुमति देता है", "यह कानूनी है" कहकर ढक लेते हैं। यह मनोरोग का मामला है जो लोगों को बलपूर्वक

30

अपने कब्जे में लेता है, जो एक अपराध है और सबसे ऊपर ये उत्पाद विनाशकारी, हानिकारक, भयानक और बर्बर हैं और यातना और विनाश का पर्याय हैं। वे यह सब बर्बरता और क्रूरता कर सकते हैं क्योंकि ये भ्रष्ट कानून इसकी अनुमति देते हैं।

तथ्यों के विवरण में, हमने "नर्स" या "डॉक्टर" की बात की, जो शायद अमानवीय, क्रूर, अहंकारी, तनावग्रस्त, तिरस्कारपूर्ण, हिंसक, कठोर था; उनका वाक्य था: "यह बिल्कुल वैसा ही होगा, कानूनी ग्रंथ हमें ऐसा करने की अनुमति देते हैं"

हम अधिकारों के उल्लंघन, "कानूनी", "संस्थागत" अपराध और "कानूनी" दुरुपयोग, "कानूनी" बर्बरता, स्वतंत्रता पर "कानूनी" हमले की शुद्ध संस्कृति में हैं।

इसलिए वे अपराध, अत्याचार, बर्बरता, क्रूरता, दुर्व्यवहार, अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, लेकिन वे संरक्षित हैं और ऐसा कर सकते हैं और समाज उन्हें अनुमति देता है क्योंकि यह कानूनी है।

ध्यान दें: दूसरी दिशा में, किसी को निशाना बनाया जा सकता है, न्याय किया जा सकता है (यहां तक कि नहीं, कभी-कभी बिना किसी परीक्षण के मनमाने ढंग से और यह अपमानजनक अस्पताल में भर्ती होने का मामला है), जहर दिया जा सकता है, नजरबंद किया जा सकता है; जबकि हमने कुछ भी गलत नहीं किया है, इससे भी अधिक उनके पास कुछ भी नहीं है जिसके लिए वे निंदा कर सकें। यह मनोरोग अस्पताल में भर्ती होने का मामला है जो अपमानजनक और मनमाना होता है, और अक्सर अक्षम लोगों के निर्णय से, औसत दर्जे से भी अधिक, जो किसी व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य और मानवाधिकारों से संबंधित होने पर अपना काम खराब कर देते हैं; मनोरोग संबंधी आपात स्थितियों में (जैसे लीना चामी के साथ सैंटे ऐनी का सीपीओए)। फिर, दूसरा व्यक्ति सबसे अमानवीय और हिंसक तरीके से और अक्षमता से परे इस गलत निदान की पुष्टि करता है, जब व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य और अधिकारों की बात आती है तो उसे परेशान करता है। फिर, "स्वतंत्रता के न्यायाधीश" की एक औपचारिकता है जो बिना किसी सत्यापन के केवल मान्य होती है।

ध्यान दें: वे व्यक्ति पर बकवास और जो भी हो, के अपने सिद्धांत चिपका देते हैं, साथ ही "बीमारी" (बकवास और कुछ भी) चिपका देते हैं

हमने अभी इस व्यवस्था के भ्रष्ट कानूनों की क्रूरता, बर्बरता, अमानवीयता, आपराधिकता और भ्रष्टाचार का जिक्र करने के साथ-साथ उनमें विरोधाभास का भी जिक्र किया है।

कुछ लोग बुराई, अन्याय, अपराध, बर्बरता और क्रूरता कर सकते हैं, चूँकि यह "कानूनी" है, चूँकि यह अभी भी प्रचलित है, चूँकि यह "सामान्य" हो गया है, चूँकि यह प्रथाओं में है, चूँकि लोग इसे करते हैं, चूँकि यह एक है इसके पीछे छद्म-औषधीय और छद्म-वैज्ञानिक (बकवास) अधिकार है। यह एक बर्बर प्रथा की तरह है जो कायम हो गई है।

31

यह आपराधिक मनोचिकित्सकों का मामला है जो सहमति के बिना जबरन, अपमानजनक और मनमाने ढंग से अस्पताल में भर्ती करते हैं, जबरदस्ती हानिकारक न्यूरोलेप्टिक्स, विनाशकारी, भयानक और यातना देते हैं। और समाज इसे "चिकित्सा" और "विज्ञान" की आड़ में भी अनुमति देता है। इस समाज में "स्वतंत्रता और अधिकारों का समाज" होने का पाखंडी और झूठा दावा किया जाता है

अपराधी अपने उन कानूनों का भी पालन नहीं करते जिनके (या अपने स्वयं के कानूनों) के अनुसार कार्य करने का वे दावा करते हैं। और तो और, पाखंडी समाज अपने ही कानूनों का भी सम्मान नहीं करता.

21 वीं सदी के पाखंडी और झूठ बोलने वाले समाज में, जो "आधुनिक" और "उदार" होने का दावा करता है, कहता है कि वह लोगों, उनके अधिकारों और उनकी स्वतंत्रता की रक्षा करता है, जबकि यह झूठ है। आम तौर पर, भ्रष्ट कानूनों में सैद्धांतिक रूप से वह शामिल होता है जिसे वे "मानवाधिकार" कहते हैं, "मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं" और लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि वे लोगों की रक्षा करते हैं और लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि वे दुर्व्यवहार और आपराधिक कृत्यों की अनुमति नहीं देते हैं। वास्तव में, हम बहुत स्पष्ट रूप से देखते हैं कि भ्रष्ट कानून और साथ ही उनके साथ चलने वाला "न्याय" इन दुर्व्यवहारों और इन आपराधिक कृत्यों की अनुमति देता है, यदि ऐसा नहीं है कि वे अपराधियों और इन कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों की रक्षा करते हैं, यदि ऐसा है इससे भी बुरी बात यह नहीं है कि ये कानून इन अपराधियों को इन अपराधों को अंजाम देने के निर्देश और निर्देश देते हैं।

वह आम तौर पर बोल रहा है.

हमारे पास ऐसा मामला है जिसमें माता-पिता के अनुरोध करने पर मनोचिकित्सक मरीज को अस्पताल से छुट्टी नहीं देते हैं। हालाँकि, उनके स्वयं के कानूनों में यह तथ्य शामिल है कि जब कोई माता-पिता अनिवार्य मनोरोग अस्पताल में भर्ती होने का विरोध करते हैं, तो बाद वाला नहीं होता है, साथ ही यह तथ्य भी होता है कि जब कोई माता-पिता अनुरोध करते हैं कि उनके बेटे या रिश्तेदार को अस्पताल से रिहा कर दिया जाए, तो उन्हें तुरंत रिहा कर दिया जाता है। . लेकिन, अपराधी अपने स्वयं के कानूनों का भी सम्मान नहीं करते हैं जिनके अनुसार वे कार्य करने का दावा करते हैं। वहां, हमारे पास इन अपराधियों के बीच अपमानजनक और उनके अपने कानूनों के विपरीत भी मामले हैं, अगर ऐसा नहीं है कि इन अपराधियों ने एक प्रकार की बर्बर प्रथा और प्रथा हासिल कर ली है जो उनके कानूनों से ऊपर हो गई है, तो उनके अपने कानूनों में, अगर ऐसा नहीं है इससे भी बुरी बात यह है कि इन भ्रष्ट कानूनों में कुछ खामियां होती हैं जिनका उपयोग अपराधी अपनी प्रथाओं, उपयोगों और बर्बर रीति-रिवाजों को लागू करने के लिए

32

करना जानते हैं और इस प्रकार भ्रष्ट कानून के दायरे में रहते हुए अपने अपराध , अन्याय , बर्बरता , क्रूरता को अंजाम देते हैं।

"स्वतंत्रता के न्यायाधीश " इस प्रणाली , इन संस्थानों , इस समाज , इसके कानूनों के साथ -साथ इसके साथ चलने वाले "न्याय " के पाखंड का एक उदाहरण है। वास्तव में , वह बिना किसी सत्यापन के केवल उन अपराधियों के निर्णय को मान्य करता है जिनके साथ उसकी मिलीभगत है। इसके अलावा , यह तथाकथित "स्वतंत्रता का न्यायाधीश ", मेरा मानना है कि वह अपने "मनोचिकित्सकों ", "नर्सों " और अस्पताल के निदेशक के साथ अस्पताल का प्रतिनिधित्व या प्रतिनिधि है।

सैंटे ऐनी अस्पताल के निदेशक चैसाग्नोल थे

संस्था पहले से ही दुरुपयोग और भ्रष्टाचार पर आधारित है , और जिन कानूनों के तहत यह संचालित होती है वे पहले से ही भ्रष्ट और अन्यायपूर्ण हैं ; इसलिए यह उनकी प्रथाओं से कहीं अधिक और सामान्य है और इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि वे अपने स्वयं के कानूनों का सम्मान नहीं करते हैं।

हम उन ठगों के साथ हैं जो आक्रामकता , उल्लंघन , टकराव , हिंसा , अन्याय , अधिकारों का उल्लंघन , बुराई करना , दुर्व्यवहार , उत्पीड़न , अपराध करना और फिर भ्रष्ट कानून द्वारा खुद की रक्षा करना चाहते हैं। हमारे पास उस ठग , अमानवीय , अहंकारी , हिंसक और क्रूर "नर्स " की सजा है जिसने कहा था "यह वैसे भी हाँ होगा , कानून हमें ऐसा करने की अनुमति देता है। " दूसरे शब्दों में , वह मुझसे कहना चाहता था : “हम आपके अधिकारों का उल्लंघन करने जा रहे हैं , और हाँ , हम अपराधी , भ्रष्ट और ठग और उत्पीड़क हैं। लेकिन आप हमारे साथ कुछ नहीं कर सकते क्योंकि एक कानून है जो इसकी अनुमति देता है , जब हम ऐसा करते हैं तो हमारी रक्षा करता है। "

न्यूरोलेप्टिक्स जो खतरनाक , हानिकारक , विनाशकारी पदार्थ हैं और यातना और आतंक का पर्याय हैं /और ये शब्द बहुत ही कमजोर हैं और उनका वर्णन करना परे है) इस भ्रष्ट कानून के साथ -साथ इस भ्रष्ट समाज और व्यवस्था में "कानूनी " पदार्थ हैं

"निजी मनोचिकित्सक , और चूँकि न्यूरोलेप्टिक्स "कानूनी " हैं , वे इससे भी आगे जाते हैं और इन न्यूरोलेप्टिक्स को इच्छानुसार देते हैं , उन लोगों को और अधिक देते हैं जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है , और अधिक वे बहुत हल्के ढंग से लिखते हैं जैसे कि यह कैंडी थी , इससे भी बदतर , वे देते हैं न्यूरोलेप्टिक्स के प्रभावों के बारे में सूचित नहीं करते , और भी अधिक , कुछ मामलों में , वे इसका कारण भी नहीं बताते कि उन्होंने इसे क्यों दिया , और सबसे बुरी और सबसे बुरी स्थिति यह है कि वे झूठ बोलने , चालाकी करने की हद तक चले जाते हैं , दुर्व्यवहार , दबाव और/या मनोवैज्ञानिक दबाव और यह सब

33

"मनोचिकित्सक" की व्यक्तिपरकता और इच्छाओं के अनुसार गलत सूचना देने के अलावा

जबकि सैद्धांतिक रूप से यह माना जाता है कि दवा केवल आवश्यकता और अत्यधिक आवश्यकता के मामले में ही दी जानी चाहिए, या यदि नहीं तो कम से कम रोगी की आवश्यकता और/या भलाई के लिए दी जानी चाहिए; वहां, हमारे पास निजी तौर पर "मनोचिकित्सकों" के अलावा कुछ भी नहीं है जो "कानूनी" चीज़ों का दुरुपयोग करने से कहीं अधिक करते हैं और इसे अपमानजनक तरीके से निर्धारित करते हैं, पहले से ही यह कि ये "कानूनी" जहर पहले से ही एक बुराई हैं और हानिकारक और विनाशकारी हैं (पूर्व मार्टिनेज़) जब वे जबरन अस्पताल में भर्ती करने और न्यूरोलेप्टिक्स को जबरदस्ती खिलाने का अभ्यास नहीं करते हैं, उनके पास अपना जहर थोपने के लिए अन्य भ्रष्ट और अपमानजनक और अनुचित साधन हैं

हमारे पास भ्रष्ट "कानून" है जो लोगों को जबरन मनोरोग अस्पताल में भर्ती करने की अनुमति देता है, जो पहले से ही एक गंभीर अपराध है जो व्यक्ति को सभी स्वतंत्रता, इच्छा और पसंद से वंचित करता है, इसके अलावा अस्पताल में भर्ती होने का रोगी की जरूरतों से कोई लेना- देना नहीं है, न ही इससे। उसकी रुचियां न ही उसकी जरूरतों के साथ हैं और न ही उसकी भलाई या उसकी भलाई के लिए है। इसके अलावा, यह अस्पताल में भर्ती होना, जो पहले से ही आपराधिक और अपमानजनक से कहीं अधिक है (यह इससे आगे निकल जाता है और शब्द कमजोर हैं) इन अपराधियों की इच्छाशक्ति और मनमानी और व्यक्तिपरकता से तय होता है। इसके अलावा इसका निर्णय उन बातों के आधार पर किया जाता है जो अतार्किक से कहीं अधिक, परे और बिना किसी आधार या अर्थ के होती हैं और जो बकवास होती हैं। ये चीजें छद्म वैज्ञानिक और छद्म औषधीय होने के कारण व्यक्ति से चिपक जाती हैं और उन पर कुछ ऐसा थोप देती हैं जिसका कोई अस्तित्व नहीं होता और जिसका कोई अर्थ या आधार नहीं होता जिसे वे "बीमारी" कहते हैं। साथ ही यदि आप इनकार कर रहे हैं, तो यह एक और "लक्षण" है। चूंकि न्यूरोलेप्टिक्स "कानूनी" उत्पाद हैं, अपराधी उन्हें उन मरीजों से जबरदस्ती लेते हैं जो पहले से ही अस्पताल में भर्ती हैं। इससे भी बदतर, वे मरीज़ों को न्यूरोलेप्टिक्स की बड़ी खुराक खिलाते हैं और नहीं जानते कि इसके साथ क्या करना है। साथ ही, वे बस इतना ही करते हैं। जितनी भी चीजें मौजूद हैं, उनमें से ज्यादातर न्यूरोलेप्टिक्स ही देती हैं। यदि थोड़ा सा भी इनकार और/या प्रतिरोध होता है, तो वे लंबे समय तक रखते हैं और/या खुराक बढ़ा देते हैं (एनएल पहले से ही हानिकारक और विनाशकारी है + फार्मास्युटिकल प्रयोगशालाएं हैं जो इससे लाभान्वित होती हैं + 'मनोचिकित्सकों' की रुचि है) ', एचपी और फार्मास्युटिकल लैब जो रोगी के हित, स्वास्थ्य और भलाई के खिलाफ इन अस्वास्थ्यकर एनएल का निर्माण करते हैं (= रोगी के खिलाफ एक संपूर्ण भ्रष्ट प्रणाली))

34

एनएल और जबरन अस्पताल में भर्ती करना पहले से ही एक अपराध और अन्याय है, लेकिन भ्रष्ट और आपराधिक कानून द्वारा इसकी अनुमति है; अपराधी दुर्व्यवहार से अधिक और अधिकतम वही करते हैं जिसकी "कानून अनुमति देता है" और जो आपराधिक, अन्यायपूर्ण और क्रूर है

12) दुर्व्यवहार से अधिक और एनएल और मजबूर एचपी की वैधता के ढांचे के भीतर उन्हें दिए गए अधिकतम और अधिकतम विशेषाधिकारों के अलावा, पहले से ही आपराधिक, अन्यायपूर्ण
और नाजायज होने के कारण + अपराधी अपने स्वयं के कानूनों का
भी सम्मान नहीं करते हैं जैसे कि वहां गुणा और संचय और जोड़, बुरे विश्वास और नुकसान पहुंचाने के स्पष्ट इरादे के संदर्भ में, गलत इरादे, विश्वासघाती, भ्रष्ट, औसत दर्जे की गलतियों और औसत दर्जे के शब्द के सबसे खराब अर्थ में भूलों का है; वे गलत सूचना देते हैं, झूठ बोलते हैं, हेरफेर करते हैं, दबाव डालते हैं और/या मनोवैज्ञानिक दबाव डालते हैं, भ्रष्ट, अनुचित, औसत दर्जे के तरीके (सबसे खराब अर्थ में) (उदाहरण के लिए CHAMI के साथ प्रकरण जिसमें वह झूठ बोलती है और मेरे माता-पिता को गलत जानकारी देती है + CHAMI दबाव डालती है ताकि 'वे हस्ताक्षर करें एचडीटी जबकि वास्तव में इसके अस्तित्व का कोई कारण नहीं है क्योंकि किसी ने भी इसके लिए अस्पताल में भर्ती होने की मांग नहीं की थी या नहीं चाहता था + सीपीओए में ''नर्स'' की हिंसा, अहंकार, बर्बरता + तथ्य यह है कि वे उन विषयों और प्रश्नों को थोपते हैं जो उनके अंदर जाते हैं बकवास है जब उनके पास कोई जगह नहीं है + अनदेखा करना और यहां तक कि यह जानना भी नहीं चाहते कि मैं क्यों आया, कैसे और कौन मुझे ले गया और बस ''अस्पष्ट अनुरोध'' डाल दिया और फिर उनके द्वारा निर्देशित और उनके अनुसार इन चीजों को पागल और अमानवीय और हिंसक थोप दिया सिद्धांत और जिनका कोई कारण नहीं है + गैलेट जो एक बिंदु पर रोगी के बारे में माता-पिता से बात करने से भी इनकार कर देता है + पहले दिनों में माता-पिता को रोगी को बताए बिना आने से रोकता है + विशेष रूप से : रोगी को छुट्टी देने के माता - पिता के फैसले का सम्मान नहीं करना + विशेष रूप से : मेरे माता - पिता को '' जज ऑफ लिबर्टी '' के सत्र में बुलाने वाला पत्र , जो देर से आता है + सत्र अस्पताल में भर्ती होने के 12 दिन बाद होता है, जो लंबे समय से इस तथ्य को देखते हुए है कि एक पत्र चुनने पर अधिकतम 4 दिनों में आता है सबसे सस्ती और इसलिए सबसे धीमी सेवा।

चामी का संदेह और खंडन + गैलेट का खंडन और कठोरता + ज़ारज़ोर का संदेह और खंडन + महत्वपूर्ण। तथ्य यह है कि वे खराब व्याख्या करते हैं और/या जैसा वे चाहते हैं, उनके प्रश्नावली और साक्षात्कार के दौरान मैंने जो कहा उसे विकृत करने की हद

35

तक (बाद वाले को उनके द्वारा पहले से ही बहुत खराब तरीके से प्रबंधित किया जा रहा है, इसके अलावा यह हिंसा और दबाव का पर्याय है + उस समय सीएमपी और अस्पताल द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नैतिक उत्पीड़न और नियंत्रण + न्यूरोलेप्टिक्स पर रोगी के साथ दुर्व्यवहार करने का तथ्य, जिसमें कार्रवाई के लिए सभी इच्छाशक्ति और क्षमता, स्वतंत्रता की क्षमता, समझ या जागरूकता की क्षमता और धारणा की डिग्री खो गई थी।

सीएमपी इस प्रकार बल का इंजेक्शन लगाता है (जिसके लिए सैद्धांतिक रूप से बाधा हटा दी गई है) + सीएमपी, अस्पताल और उस समय के अस्पताल ने अपने भाषण और अपने पागल सिद्धांतों को औसत दर्जे से अधिक थोप दिया है, जिनके पास न तो देखने के लिए कुछ है और न ही जगह है। होना, और इस प्रकार उन्होंने रोगी से "पुनरावृत्ति" के बारे में बात करके परोक्ष रूप से उसे धमकाया (जिसका कोई अर्थ या स्थान नहीं है और यह बकवास है और उनके सिद्धांतों की तरह बिना आधार के है, इस तथ्य के अलावा कि सारी बुराई न्यूरोलेप्टिक्स के बाद जो होता है वह न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होता है

इन तथ्यों का संचय, गुणा और जोड़ बुरे विश्वास और नुकसान पहुंचाने के स्पष्ट इरादे को दर्शाता है + इसमें न्यूरोलेप्टिक्स के सभी हानिकारक प्रभावों को जोड़ना है जो विनाशकारी, यातना और डरावनी हैं + अपमानजनक, मजबूर, नाजायज और अन्यायपूर्ण हैं और जिनके होने का कोई कारण नहीं है + जिस संशयवाद और बुरे विश्वास का वे प्रदर्शन करते हैं + सिद्धांत और टॉर्चनेस्क और बिना आधार, पूंछ या सिर के पागल छद्म विज्ञान, जिस पर वे आधारित हैं + उल्लिखित तत्व इन अपराधियों के बुरे विश्वास के साथ-साथ उनके अधिक को भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं हानि पहुँचाने के स्पष्ट इरादे से।

अपराधियों के बीच बुरे विश्वास और स्पष्ट से अधिक नुकसान पहुंचाने के इरादे को प्रदर्शित करने के लिए उल्लिखित तत्वों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए कहता है = महत्वपूर्ण

फार्मास्युटिकल लैब इन अपराधों में भागीदार होने के अलावा, इन अपराधों में अभिनेता होने के अलावा, और यह बड़े पैमाने पर लाभार्थी होने से भी अधिक है, क्योंकि उन्हें इन भयानक जहरों की बिक्री से लाभ मिलता है + वे इन जहरों का निर्माण करते हैं, वे उनकी आपूर्ति करते हैं, वे करते हैं इन जहरों के प्रभाव के बारे में न बताएं. न्यूरोलेप्टिक्स (TERCIAN और अन्य समान) वाले जहरों के निर्देशों में, वे न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होने वाले प्रभावों का केवल एक छोटा सा हिस्सा कहते हैं + वे न्यूरोलेप्टिक्स के प्रभाव के बारे में चुप हैं, + वे अस्पतालों के अपराधों के बारे में चुप हैं + वे इसका पालन

करते हैं पागलपन और निराधार सिद्धांतों को लागू करना , और उन्हें थोपने में भाग लेना , इस तरह कि यह औसत से अधिक छद्म विज्ञान उनके व्यापार और उनके लाभ का एक स्रोत बन गया है , जैसे कि वे "दवाएं " बेचने के लिए बीमारियों का आविष्कार करते हैं + जैसे कि वे लोगों को बीमार बनाते हैं "दवाएँ " बेचने के लिए।

ध्यान दें : न्यूरोलेप्टिक्स के कारण होने वाले प्रभाव सभी माप और तुलना से परे हैं , यह डरावनी , यातना , विनाश है और ये शब्द बहुत कमजोर हैं)

अस्पताल और न्यूरोलेप्टिक्स कुछ लोगों को निशाना बनाते हैं क्योंकि वे "समाज के अनुरूप नहीं होते ", समाज के "या अलग" नहीं दिखते , और वे उन्हें "बीमार " करार देते हैं और /या उन्हें "बीमारी " कहते हैं और यह उनके ढांचे में है पागल और औसत दर्जे और संस्थागत सिद्धांतों से अधिक , कि छद्म वैज्ञानिक मुखौटा किसके लिए है , वास्तविक छिपे हुए कारण क्या हैं , यह वास्तव में समाज के लिए है और इन लोगों को लक्षित करना और नष्ट करना "समाज के अनुरूप नहीं है।

इस समाज में कानून , एक "न्याय ", और एक आपराधिक और भ्रष्ट व्यवस्था होने के अलावा , इसका एक सच , एक पृष्ठभूमि और एक वास्तविक चेहरा भी है जो कुरूप से भी अधिक , घृणित से भी अधिक और उससे भी परे है। यह समाज बेकार होने के अलावा , अपनी प्रकृति , अपने सार और अपने असली चेहरे में , अमानवीय , जहलिया *, नस्लवादी , कुरूप , घृणित , भ्रष्ट , सबसे खराब सामान्यता के चरम पर और उससे भी परे है , और न्यूनतम और न्यूनतम से रहित है। न्यूनतम मानवीय मूल्य और यहां तक कि जीवित रहने का कोई भी मूल्य , और परोपकार , और सहानुभूति और जीवित प्राणियों के प्रति प्रेम , और वास्तविक अतिरिक्त मूल्य में वास्तविक मूल्य का योगदान , और यह जानना कि इंसानों या यहां तक कि जीवित प्राणियों के साथ कैसे रहना है , और आदान-प्रदान , और उपयोगिता और संचार और संबंध , इसलिए यह केवल विनाश , आतंक, उपद्रव , बर्बरता , कुरूपता , घृणित , नस्लवाद , अस्वीकृति और विनाश है। दूसरों के प्रति उनके मतभेदों और /या विशिष्टताओं के लिए अत्याचार और क्रूरता।

इस प्रकार , यह बदसूरत और भ्रष्ट समाज न केवल वास्तविक मूल्य और/या अतिरिक्त मूल्य प्रदान नहीं करता है , बल्कि इसका योगदान पूरी तरह से नकारात्मक और विनाशकारी है। जब मानवीय मूल्यों (यहां तक कि जानवरों और पौधों जैसे जीवित प्राणियों के मूल्यों) की बात आती है , तो उनमें थोड़ी सी भी कमी नहीं है , यह समाज बिल्कुल विपरीत है , जैसे कि यह बुराई , अन्याय , दुर्व्यवहार , अपराध को मंजूरी देता है , क्रूरता , कोई क्रूर और आपराधिक कार्य करना और फिर यह कहना कि "कानून हमें ऐसा करने

37

की अनुमति देता है", "यह कानूनी है" या "यह सामान्य है" या "यह व्यवहार में है", दूसरे को उनकी विशिष्टता और/या उनके अंतर के लिए निशाना बनाना, बर्बरता, दुष्टता, पाखंड, कुरूपता, भ्रष्टाचार, सामान्यता, कमज़ोरों के प्रति हिंसा... इस प्रकार, इस समाज ने अपनी बर्बर रीति-रिवाजों को हासिल करने के अलावा, उलटे विरोधी मूल्यों की अपनी प्रणाली भी हासिल कर ली है।

नोट: ऐसे समाज की तुलना जानवरों या किसी अन्य जीवित चीज़ से नहीं की जा सकती। उत्तरार्द्ध सभी सम्मान के पात्र हैं, जबकि यह कंपनी इस स्तर तक पहुंचने से बहुत दूर और परे है।

ध्यान दें: इन अस्पतालों और न्यूरोलेप्टिक्स वाली यह प्रणाली केवल एक प्रकार के व्यक्ति को लक्षित नहीं करती है। विभिन्न पृष्ठभूमियों, चरित्रों और विशेषताओं वाले कई प्रकार के लोग मनोरोग संबंधी दुर्व्यवहार के शिकार रहे हैं। तकनीकी रूप से कहें तो, ये अपराधी किसी व्यक्ति को सबसे मनमाने और अपमानजनक तरीके से नजरबंद कर सकते हैं। और यह "स्वतंत्रता का न्यायाधीश" उनके हाथों की कठपुतली और एक साधारण औपचारिकता मात्र है। यह थोड़े से सत्यापन के बिना ही इन अपराधियों के निर्णय की पुष्टि करता है। इसके अलावा, जिन पागल सिद्धांतों पर वे आधारित हैं उनका कोई तर्कसंगत आधार नहीं है और वे बकवास हैं, जैसे कि वे कुछ भी देख सकते हैं, "एक बीमारी" और किसी में भी "एक बीमारी"।, वह पतला है, "बीमारी", वह बहुत ज्यादा बोलता है, "बीमारी", वह बहुत बोलता है: "बीमारी", उसके पास ऐसा है: "बीमारी", कुछ भी: "बीमारी" » उदाहरण: आपने दूध का गिलास पी लिया 7:35:31: "बीमारी"। तो, जो लोग उदासीन हैं क्योंकि वे "चिंतित महसूस नहीं करते" उन्हें बिल्कुल भी खुश नहीं होना चाहिए। यह भ्रष्ट और पागल और बीमार और पागल प्रणाली है, यह एक वास्तविकता है और तकनीकी रूप से कहें तो ऐसा ही होता है।

ध्यान दें: यदि कोई "पागल" या "बीमार व्यक्ति" है, तो वे अपराधी हैं, "मनोचिकित्सक", "नर्सें", फार्मास्युटिकल लैब, सिस्टम, भ्रष्ट कानून, "न्याय" भ्रष्ट, साथ ही इस बीमार समाज में ज़रा भी मानवीय या वास्तविक मूल्य नहीं है।

ध्यान दें *जाहिलिया: अरबी शब्द का अर्थ है पूर्व-इस्लामिक काल, जो एक बहुत ही अंधकारमय और बर्बर समय था जहां रीति-रिवाज और प्रथाएं बहुत ही बर्बर और अज्ञानतापूर्ण थीं; एक समय जब अज्ञानता और बुतपरस्त पूजा और आराधना का बोलबाला था

*जाह्ल: अरबी शब्द का अर्थ अज्ञानता है, जो इस शब्द के बर्बर और क्रूर अर्थ में है।

इसे हम बिना किसी कारण के ऐसे किसी व्यक्ति को नजरबंद करने के तथ्य को कहते हैं, विनाशकारी, हानिकारक, यातनापूर्ण और भयानक

38

न्यूरोलेप्टिक्स देने के तथ्य को वह प्रणाली और समाज के कानून कहते हैं जो इसकी अनुमति देते हैं, और वह समाज जो ऐसा करता है और इसके लिए लोगों को निशाना बनाता है। "समाज के अनुरूप न होना"। हम उत्तरार्द्ध और इन तथ्यों और इन अपराधियों का वर्णन जाहल, जाहिलिया, क्रूरता, नस्लवाद, बर्बरता, अमानवीय, सभी सामान्यता और कुरूपता से परे भ्रष्ट, और किसी भी मानवीय मूल्य या वास्तविक मूल्य की अनुपस्थिति के रूप में कर सकते हैं।

इसमें पैसे (फार्मास्युटिकल लैब) की भूमिका भी जोड़ें।

इसमें समाज से, भ्रष्ट कानूनों से, "न्याय", मीडिया से, छद्म-चिकित्सा और छद्म-वैज्ञानिक समुदाय से, "मानवाधिकार" से आने वाले पाखंड को भी जोड़ लें।

इसमें मुफ्त में और बिना किसी कारण के हमला करने का तथ्य भी जोड़ लें

15) अपराधी अपनी पूरी कोशिश करते हैं और व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने, नष्ट करने और यातना देने के उद्देश्य से थोड़ी सी भी भ्रष्ट और कुटिल चाल का इस्तेमाल करते हैं।

उदाहरणार्थ: रोगी को अधिक समय तक न्यूरोलेप्टिक्स देने के लिए उसे यथासंभव लंबे समय तक अपने पास रखना चाहते हैं।

उदाहरण: CPOA में CHAMI द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियाँ या CMP या GALLET की विधियाँ

संक्षेप में, अस्पतालों, मनोचिकित्सा और न्यूरोलेप्टिक्स की पूरी प्रणाली की विशेषता इस प्रकार है...

हम छद्म डॉक्टरों के साथ हैं जो मरीज़ की भलाई के लिए नहीं, बल्कि अन्य कारणों से "दवाएँ" देते हैं जो मरीज़ की भलाई के विरुद्ध और विपरीत हैं।

एक "डॉक्टर" से इस तरह कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जाती है और इसका कोई मतलब, तर्क, कारण या आधार नहीं है।

17) एनएल कई तरीकों से लोगों को मारते हैं; या धीरे-धीरे, या एनएमएस (एनएल मैलिग्नेंट सिंड्रोम) द्वारा, या इन लोगों में यौन संबंध पैदा करके। इसलिए, एनएल के कारण होने वाली मौतें भयानक और नृशंस हैं।

आरक्यू: एनएल किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

18) एनएल देर से शुरू होने वाली क्षति का कारण बन सकता है, जैसे कि टारडिव अकाथेसिया, टारडिव डिस्केनेसिया और अन्य।

19) एनएल व्यक्ति को असंगत तरीके से नुकसान पहुंचाता है, और उन्हें कुछ स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करता है, एनएल इस प्रकार देर से समस्याएं और लंबी अवधि में समस्याएं पैदा कर सकता है।

20) एनएल यातना का कारण बनता है जो समय की अवधि तक चलता है, न कि एक पल में साधारण तात्कालिक यातना, और यह व्यक्ति को समय के साथ सुस्ती का एहसास कराता है। यह एनएल की अल्पावधि और लघु- मध्यम अवधि से संबंधित है (जैसे: उपचार लेने की अवधि, या विलंबित इंजेक्शन, और इससे भी बदतर उनके अधिकतम और/या कुल चरणों (पीएच 0 और 1) में प्रभाव उनके मुकाबले अधिक समय तक रहता है। इच्छित अवधि.

21) समय के अंतराल में रहने वाले इस कछुए के अलावा, यह यातना का कारण बनता है (भले ही यह 1 से कम परिमाण का हो

)
, यह मध्यम
अवधि, मध्यम-दीर्घकालिक और यहां तक कि लंबी अवधि में भी रहता है। अवधि (उदाहरण: अधिक मध्यम और कम हिंसक चरण एनएल की समाप्ति के बाद काफी समय के बाद शुरू होते हैं)

22) एनएल लगभग सभी मामलों में अपरिवर्तनीय क्षति का कारण बनता है (मेरा मानना है कि यही वह उद्देश्य है जिसके लिए वे एनएल का उपयोग करते हैं)

23) एचपी एक जेल से भी बदतर है (बिना किसी कारण के और बिना कुछ किए प्रवेश करना, ''डॉक्टर'' जो तय करते हैं कि हम कब निकलेंगे इसलिए हमें पता नहीं चलता कि कब, और विशेष रूप से बलपूर्वक एनएल)

24) एनएल जेल और उससे भी अधिक बदतर है (स्पष्ट रूप से)

25)एनएल एक व्यक्ति के जीवन के वर्षों को नष्ट कर देता है

26) एनएल जीवन को नष्ट कर देता है।

27) एनएल पूर्ण भय, वास्तविक दुःस्वप्न, यातना, विनाश, अंधकार और शून्यवाद का पर्याय है

28) एचपी लोगों के साथ दुर्व्यवहार करता है और उनकी गरिमा का उल्लंघन करता है

29) एनएल लोबोटॉमी, डिह्यूमनाइजेशन और लेग्यूमाइजेशन का पर्याय हैं

30) एनएल बर्बरता, क्रूरता और अपराध का पर्याय हैं

31) एनएल शून्यवादी निंदकवाद और शून्यवादी निंदक उदासीनता का पर्याय है, जैसे कि जीवन में किसी भी चीज का कोई मूल्य नहीं है, और इस तरह कि इस शून्यवादी निंदक में बुराई और अच्छाई लगभग समान हैं

आरक्यू: जिस तरह से मनोचिकित्सक रोगी के साथ दुर्व्यवहार करते हैं + इस प्रणाली और इस समाज की विशेषताओं और ''न्याय'' और उनके भ्रष्ट और आपराधिक कानूनों के बारे में हम संशयवाद-शून्यवाद-उदासीनता की बात कर सकते हैं + जिस स्थिति में वे मजबूर करते हैं इस मजबूर दवा और एनएल के माध्यम से रोगी को वहाँ रहना होगा

तो यह भयानक, दुःस्वप्न और अंधकारपूर्ण माहौल जो एनएल आपको महसूस कराता है, वह भ्रष्ट व्यवस्था और समाज की छवि है और इन आपराधिक "मनोचिकित्सकों" की भी छवि है।

32) एनएल व्यक्ति को बेचैनी और शारीरिक असुविधा महसूस कराता है। उदाहरण के लिए, व्यक्ति को चक्कर और मतली महसूस हो सकती है

33) एनएल के कारण शरीर में दर्द होता है। उदाहरण: मुझे एक बार सीने में भयानक दर्द महसूस हुआ जिसके कारण मुझे नींद नहीं आ रही थी।

34) किसी व्यक्ति के सुखों और संवेदनाओं को काटना, अवरुद्ध करना सभी क्रूरताओं और अत्यधिक यातनाओं से परे एक कार्य है

35) किसी व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं को काटना, अवरुद्ध करना सभी क्रूरताओं और अत्यधिक यातनाओं से परे एक कार्य है

36) किसी व्यक्ति से डोपामाइन, सेरोटोनिन, एड्रेनालाईन, नॉरपेनेफ्रिन, मेलाटोनिन जैसे हार्मोन को काटना, अवरुद्ध करना सभी क्रूरता और अत्यधिक यातना से परे एक कार्य है

37) किसी व्यक्ति की नींद में कटौती करना या उसमें बाधा डालना सभी क्रूरता और अत्यधिक यातनाओं से परे एक कार्य है

38) डोपामाइन और संवेदनाओं को अवरुद्ध करने के माध्यम से एनएल एक व्यक्ति को जिस हिंसक शून्य में ले जाता है, वह सभी क्रूरता और अत्यधिक यातना से परे एक भयानक, दुःस्वप्न शून्य है

किसी व्यक्ति के मस्तिष्क, उनके शरीर, उनके व्यक्तित्व, उनके विचारों, उनकी भावनाओं, उनकी विशिष्टताओं को संशोधित करने का तथ्य; और यह कीमो-कॉरपोरियल तरीकों से, हिंसा का कार्य है, क्रूरता का कार्य है (और उससे भी परे), एक अस्वास्थ्यकर कार्य है, उल्लंघन का कार्य है, विनाश का कार्य है, दमन का कार्य है।

40)किसी व्यक्ति के डोपामिनर्जिक सिस्टम और न्यूरोहार्मोनल सिस्टम का विनाश, व्यवधान और व्यवधान सभी बर्बरता, क्रूरता, अपराध, आतंक से परे एक कार्य है

41) डोपामिनर्जिक और न्यूरोहार्मोनल सिस्टम को नुकसान सभी असुविधाओं से परे भयानक शारीरिक असुविधा का कारण बनता है (उदाहरण के लिए अधीरता, बेचैनी)

42) वास्तव में, एनएल द्वारा लक्षित और अवरुद्ध किए गए सुखों और संवेदनाओं की भी शारीरिक और शारीरिक भूमिका होती है। उदाहरण: कामेच्छा का शारीरिक संबंध है और इसका एक शारीरिक चरित्र भी है। उदाहरण: डोपामाइन शरीर को बहुत अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करता है और इसकी अनुपस्थिति यातना और परेशानी का पर्याय है जो भयानक और विनाशकारी से कहीं अधिक है। उदाहरण 3: डोपामाइन शरीर की शक्ति और अच्छे स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है, और इसकी अनुपस्थिति सुस्ती और स्तब्ध अवस्था और धीमी चाल का कारण बनती है। उदाहरण 4: हँसी चेहरे और पीटी-टी चेहरे की मांसपेशियों से जुड़ी होती है। और एनएल हँसी से जुड़े शारीरिक तंत्र को बाधित करता है। उदाहरण 5: सोचना कभी- कभी दिमाग को थका देने वाला हो सकता है। इसलिए उसे स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क और डोपामाइन की आवश्यकता है। एनएल के साथ, कोई सोच भी नहीं सकता या ध्यान केंद्रित नहीं कर सकता है और क्षतिग्रस्त होने पर, सोचना या ध्यान केंद्रित करना खोपड़ी और शरीर और मस्तिष्क के लिए बहुत थका देने वाला होता है, खोपड़ी में झुनझुनी पैदा कर सकता है, नींद को रोक सकता है या मुश्किल बना सकता है, यहां तक कि मतली की भावना भी पैदा कर सकता है और चक्कर आना और बुखार (जैसे कि यह मस्तिष्क की क्षमता से अधिक खपत कर रहा हो)

तो, सुख, भावनाओं, संवेदनाओं, विशिष्टताओं पर विनाश के अलावा; (जो पहले से ही सभी क्रूरता, यातना और बर्बरता और अत्याचार से परे है) 1, एनएल जैविक, रासायनिक, शारीरिक, भौतिक और शारीरिक और तंत्रिका विनाश का कारण बनता है; जो सभी भयावहता से परे एक यातना है, और एक अत्याचार, भयावहता, क्रूरता और बर्बरता 2 है।

43) डोपामिनर्जिक स्तर पर क्षति, शारीरिक और शारीरिक स्तर पर क्षति के अलावा, एनएल मानसिक स्तर पर क्षति का कारण बनता है। इस प्रकार, एनएल के कारण होने वाली भयानक शून्यता, समय जो यातना के रूप में अधिक धीरे-धीरे गुजरता है (यह पहले से ही है) डोपामिनर्जिक और शारीरिक यातना और विनाश से जुड़े इस विनाश और मानसिक यातना के तत्वों का गठन करता है।

वास्तव में, किसी व्यक्ति के संतुलन और मानसिक स्थिरता के लिए भावनाओं की तरह ही सुख और खुशहाली की भी आवश्यक भूमिका होती है। यह स्पष्ट है कि मेरा मानना है कि अपराधी इनकार करते हैं।

44) हम कह सकते हैं कि डोपामिनर्जिक प्रणाली, साथ ही सुख और कल्याण और बाद से जुड़ी भावनाएं, शारीरिक स्तर पर शरीर और व्यक्ति के लिए, तंत्रिका तंत्र के लिए एक प्रकार के गद्दे या

42

बिस्तर की तरह हैं। और शारीरिक और मानसिक , भावात्मक और भावनात्मक स्तर पर।

तो जो अपराधी एनएल देते हैं जिसमें डोपामाइन को अवरुद्ध करने की भूमिका होती है , वह व्यक्ति के शारीरिक और शारीरिक स्तर और मानसिक स्तर पर संतुलन को नष्ट कर देता है। मेरा मानना है कि यह सबूत है कि अपराधियों ने इसे निंदनीय ढंग से नकार दिया है। और यह एनएल द्वारा उत्पन्न यातना , विनाश , आतंक, अंधेरे , दुःस्वप्न शून्य के शीर्ष पर है।

43